

CONTENTS OF THIS FILE:

**(David) Jay Webber's Descent
from Ministers of the Gospel**

**Carol Ruth Wimble's Descent
from Ministers of the Gospel**

**John Raymond Wilde's Descent
from Ministers of the Gospel**

**Paula Christine Johnson's Descent
from Ministers of the Gospel**

**Philip Mark Leyrer's Descent
from Ministers of the Gospel**

**Beth Ellen Wessel's Descent
from Ministers of the Gospel**

**Erik John Soule's Descent
from Ministers of the Gospel**

(David) Jay Webber's Descent from Ministers of the Gospel

Remember those who led you, who spoke the word of God to you; and considering the result of their conduct, imitate their faith. Jesus Christ is the same yesterday and today and forever. Do not be carried away by varied and strange teachings... (Hebrews 13:7-9, NASB)

01. (David) Jay WEBBER [m Carol Ruth WIMBLE] [21]
 | 02. David Milton WEBBER (1938-2008)
 | | 03. Donald Milton WEBBER (1918-1976)
 | | | 04. George Franklin WEBBER (1896-1980)
 | | | 04. Rexa Lorie WAVLE (1898-1972)
 | | | 05. Milton A. WAVLE (1870-1948)
 | | | 06. James WAVLE (1819-1880)
 | | | 06. Nancy Philena TOTMAN (1822-1913)
 | | | 07. Samuel TOTMAN (1777-1856)
 | | | 07. Lydia WATTLES (1791-1867)
 | | | 08. David WATTLES (1755-1842)
 | | | 09. Samuel WATTLES (1729-178-)
 | | | 10. John WATTLES (1700-1766)
 | | | 10. Judith FITCH (1704-1743)
 | | | 11. Joseph FITCH (1681-1741)
 | | | 12. **James FITCH (1622-1702) [3]**
 | | | 12. Priscilla MASON (1641-1714)
 | | | 13. John MASON (1600-1672)
 | | | 13. Anne PECK (1619-1671)
 | | | 14. **Robert PECK (1580-1658) [15]**
 | | | 14. Anne LAWRENCE (1582-1648)
 | | | 15. John LAWRENCE (b 155-)
 | | | 16. **John LAWRENCE (1525-1611) [9]**
 | | | 17. **John LAWRENCE (b 1500) [10]**
 | | | 17. -- (name unk)
 | | | 16. Anne SAMMES (1530-1580)
 | | | 15. Elizabeth HERNE (b 1560)
 | | 11. Sarah MASON (d 1720)
 | | 12. Samuell MASON (1644-1705)
 | | 13. John MASON (1600-1672)
 | | 13. Anne PECK (1619-1671)
 | | 14. **Robert PECK (1580-1658) [15]**
 | | 14. Anne LAWRENCE (1582-1648)
 | | 15. John LAWRENCE (b 155-)
 | | 16. **John LAWRENCE (1525-1611) [9]**
 | | 17. **John LAWRENCE (b 1500) [10]**
 | | 17. -- (name unk)
 | | 16. Anne SAMMES (1530-1580)
 | | 15. Elizabeth HERNE (b 1560)
 | 12. Judith SMITH (b 1651)
 | 09. Sarah SLUMAN (1735-1831)
 | | 10. Thomas SLUMAN (1706-1742)
 | | 11. Thomas SLUMAN (1674-1742)
 | | 12. Thomas SLUMAN (d 1683)
 | | 12. Sarah BLISS (1647-1730) (later m TRACY)
 | | 13. Thomas BLISS (1618-1688)
 | | 13. Elizabeth BIRCHARD (1621-1700)*
 | | 14. Thomas BIRCHARD (1595-1684)
 | | 14. Mary ROBINSON (1597-1655)
 | | 15. **Henry ROBINSON (1557-1625) [17]**
 | | 15. Elizabeth ORVYCE (1561-1621)
 | | 16. **John ORVYCE (1535-1583) [12]**
 | | 16. Jane -- (1538-1592)
 | 11. Sarah PRATT (1676-1740)
 | 12. Joseph PRATT (1648-1703)

- | | | | |13. William PRATT (1609-1678)
- | | | | |14. **William PRATT (1562-1629) [16]**
- | | | | |14. Elizabeth –
- | | | | |13. Elizabeth CLARKE (b 1622) (later m PARKER)
- | | | | |12-. Margaret PARKER (b 1650)
- | | | | |10. Sarah WATERMAN (1712-1795) (later m WATTLES)
- | | | | |08. Lydia – (1755-1832)
- | | | | |05. Alice L. MEACHAM (1872-1943)
- | | | | |06. (William) Chauncey MEACHAM (1840-1907)
- | | | | |07. Randall S. MEACHAM (1813-1887)
- | | | | |08. Isaac MECHUM (1780-1826)
- | | | | |09. Enos MECHUM (1740-1811)
- | | | | |10. Samuel MEACHAM (1703-1769)
- | | | | |10. Sarah POPE (b 1703)
- | | | | |11. Nathaniel POPE (1679-1711)
- | | | | |12. Joseph POPE (1650-1712)
- | | | | |12. Bathshua FOULGER (1652-1726)
- | | | | |13. **Peter FOULGER (1617-1690) [5]**
- | | | | |13. Mary MORRILL (1620-1704)
- | | | | |11. Priscilla CHATWELL (1679-1756) (later m MEACHAM)
- | | | | |12. Nicholas CHATWELL (1644-1700)
- | | | | |12. Sarah YOUNGS (1639-1718) (prev m MARSH)
- | | | | |13. Christopher YOUNGS (1611-1647)
- | | | | |14. **Christopher YONGES (1576-1626) [23]****
- | | | | |15. **Christopher YOUNGE (b 1545) [24]**
- | | | | |15. Johanna HORNE (b 1544)
- | | | | |14. Margaret ELWIN (1576-1630)
- | | | | |13. Priscilla ELWIN (1611-1647)
- | | | | |09. Rachel KIBBE (1741-1827)
- | | | | |08. Mehitabel ROUNDS (1785-1850)***
- | | | | |09. Jotham ROUNDS (b 1745)
- | | | | |10. Joseph ROUNDS (b 1720)
- | | | | |10. Mary HORTON (b 1725)
- | | | | |11. John HORTON (b 1696)
- | | | | |12. John HORTON (b 1672)
- | | | | |13. Thomas HORTON (d 1715)
- | | | | |14. Thomas HORTON (1620-1687)
- | | | | |14. Mary EDDY (1626-1693)
- | | | | |15. John EDDY (1597-1684)
- | | | | |16. **William EDDYE (1560-1616) [1]**
- | | | | |16. Mary FOSTEN (1568-1611)
- | | | | |15. Amie DOGGETT (b 1597)
- | | | | |13. Sarah HARMON (b 1653)
- | | | | |12. Mehitabel GARNSEY (1673-1742)
- | | | | |11. Mary CHASE (b 1695)
- | | | | |09. Rebecca SALISBURY (b 1745)
- | | | | |07. Harriet J. BURT (1809-1896)
- | | | | |08. Thomas BURT (1761-1839)
- | | | | |08. Betsy JEFFORDS (1785-1854)
- | | | | |09. John JEFFORDS (b 1746)
- | | | | |09. Mary SANGER (b 1746)
- | | | | |10. Nathaniel SANGER (b 1724)
- | | | | |10. Mary ROTH (b 1726)
- | | | | |11. Benjamin ROTH (b 1701)
- | | | | |12. John ROATH (1669-1744)
- | | | | |12. Sarah WILLIAMS (1675-1702)
- | | | | |13. Joseph WILLIAMS (b 1647)
- | | | | |13. Mary FULLER (1644-1720)
- | | | | |14. Samuell FULLER (1608-1683)
- | | | | |14. Jane LOTHROPP (b 1614)
- | | | | |15. **John LOTHROPP (1584-1653) [11]**
- | | | | |15. Hannah HOUSE (1590-1634)
- | | | | |16. **John HOUSE (1565-1630) [7]**
- | | | | |16. Alice – (d 1640)
- | | | | |11. Eunice LYON (b 1701)
- | | | | |06. Wrexavilla RORAPAUGH (1840-1910)

- | | | | |07. Jeduthan RORAPAUGH (1801-1877)
- | | | | |08. Peter RORIPAUGH (1770-1853)
- | | | | |09. Robert RORAPAUGH (1738-178-)
- | | | | |10. (John) George ROORBACH (b 1703)
- | | | | |11. **Johannes ROHRBACH (1661-1710) [18]**
- | | | | |11. (Anna) Catharina – (1667-1710)
- | | | | |10. Tabitha CHADWICK (prev m GRANDE)
- | | | | |09. Hannah WHITE (b 1739)
- | | | | |08. Catharine LOOMIS (1774-1861)
- | | | | |07. Lorinda HAWLEY (1802-1896)
- | | | |03. Laura Lucille CARPENTER (1920-1990)
- | | | |04. Clayton Enoch CARPENTER (1888-1972)
- | | | |05. Emron Osborne CARPENTER (1868-1950)
- | | | |06. Morgan O. CARPENTER (1841-1933)
- | | | |07. Orsemus CARPENTER (1809-1892)
- | | | |07. Melissa Ann SEXTON (1810-1899)
- | | | |08. William SEXTON (1771-1849)
- | | | |09. Joseph SEXTON (1743-1807)
- | | | |09. Rachel RICHARDSON (1748-1796)
- | | | |10. David RICHARDSON (1729-1811)
- | | | |10. Rachel RICHARDSON (1729-1807)
- | | | |11. Amos RICHARDSON (1699-1779)
- | | | |12. Jonathan RICHARDSON (1674-1700)
- | | | |12. Anne EDWARDS (1678-1764) (later m DAVENPORT)
- | | | |13. Richard EDWARDS (1647-1718)
- | | | |14. William EDWARDS (1618-1672)
- | | | |15. **Richard EDWARDS (1575-1625) [2]**
- | | | |15. Anne WALLINGTON (1589-1680) (later m COLE)
- | | | |14. Agnes HARRIS (b 1604) (prev m SPENCER)
- | | | |13. Elizabeth TOUTTLE (b 1645)
- | | | |11. Rachel YARRINGTON (b 1707)
- | | | |08. Tamesin CLARK (1774-1874) (prev m COOLEY)
- | | | |09. Wicome CLARK (1750-1831)
- | | | |10. Ebenezer CLARK (1717-1807)
- | | | |10. Ann DIMMICK (1724-1779)
- | | | |11. Timothy DIMMICK (1698-1783)
- | | | |12. John DIMMOCK (1666-1738)
- | | | |13. Shubael DIMMOCK (1644-1732)
- | | | |13. Joanna BURSLEY (1646-1727)
- | | | |14. John BURSLEY (1599-1660)
- | | | |14. Joanna HULL (b 1620) (later m DAVIS)
- | | | |15. **Joseph HULL (1596-1665) [8]**
- | | | |15. Joanna – (d 1632)
- | | | |12. Elizabeth LOMBARD (b 1668)
- | | | |11. Ann BRADFORD (1699-1788)
- | | | |12. Joseph BRADFORD (1675-1747)
- | | | |12. Anne FITCH (1675-1715)
- | | | |13. **James FITCH (1622-1702) [3]**
- | | | |13. Priscilla MASON (1641-1714)
- | | | |14. John MASON (1600-1672)
- | | | |14. Anne PECK (1619-1671)
- | | | |15. **Robert PECK (1580-1658) [15]**
- | | | |15. Anne LAWRENCE (1582-1648)
- | | | |16. John LAWRENCE (b 155-)
- | | | |17. **John LAWRENCE (1525-1611) [9]**
- | | | |18. **John LAWRENCE (b 1500) [10]**
- | | | |18. – – (name unk)
- | | | |17. Anne SAMMES (1530-1580)
- | | | |16. Elizabeth HERNE (b 1560)
- | | | |09. Ruth CRANE (1753-1842)
- | | | |10. Hezekiah CRANE (1725-1795)
- | | | |11. John CRANE (1689-1765)
- | | | |11. Abigail CROSS (1694-1765)
- | | | |12. Peter CROSS (1653-1739)
- | | | |12. Mary WADE (1660-1740)
- | | | |13. Robert WADE (1615-1682)

- | | | | |13. Susanna BIRCHARD (b 1626)****
- | | | | |14. Thomas BIRCHARD (1595-1684)
- | | | | |14. Mary ROBINSON (1597-1655)
- | | | | |15. **Henry ROBINSON (1557-1625) [17]**
- | | | | |15. Elizabeth ORVYCE (1561-1621)
- | | | | |16. **John ORVYCE (1535-1583) [12]**
- | | | | |16. Jane – (1538-1592)
- | | | | |10. Tamesin ELDREDGE (1722-1771)
- | | | | |06. Alvana OSBORNE (1846-1901)
- | | | | |05. Minnie WHITE (1868-1953)
- | | | | |06. Enoch WHITE (1827-1881)
- | | | | |07. Theodorus WHITE (1789-1873)
- | | | | |08. Joshua WHITE (1766-1834)
- | | | | |08. Rhoda DEUEL (1771-1840)
- | | | | |09. Wilbur DEUEL (d 1823)
- | | | | |10. Silas DEUEL (1717-1799)
- | | | | |11. Jeremiah DEVOL (d 1753)
- | | | | |11. Sarah ALLEN
- | | | | |12. Joseph ALLEN (1637-1704)
- | | | | |12. Sarah HULL (1650-1705) (prev m RIDLEY)
- | | | | |13. Tristram HULL (1624-1667)
- | | | | |14. **Joseph HULL (1596-1665) [8]**
- | | | | |14. Joanna – (d 1632)
- | | | | |13. Blanche – (later m HEDGE)
- | | | | |10. Mary WILBUR (b 1720)
- | | | | |09. Phebe –
- | | | | |07. Sarah COLE (1793-1850)
- | | | | |06. Elizabeth A. PLUM (1829-1889)
- | | | | |07. Oliver Jones PLUM (1800-1877)
- | | | | |08. John PLUM (1765-1850)
- | | | | |09. John PLUM (1742-1803)
- | | | | |09. Dorothy GILBERT (1745-1812)
- | | | | |10. Nathaniel GILBERT (1723-1787)
- | | | | |11. Nathaniel GILBERT (1689-1756)
- | | | | |12. Jonathan GILBERT (1648-1698)
- | | | | |12. Dorothy STOW (1659-1698)
- | | | | |13. **Samuel STOW (1624-1704) [19]**
- | | | | |13. Hope FLETCHER
- | | | | |14. **William FLETCHER (d 1668) [4]**
- | | | | |14. – – (name unk)
- | | | | |11. Hannah ALLEN (1699-1724)
- | | | | |10. Mary BUTLER (1726-1814)
- | | | | |08. Tryphena HUNT (1766-1858)
- | | | | |09. Ziba HUNT (1746-1820)
- | | | | |10. Asa HUNT (1710-1752)
- | | | | |10. Sarah PARTRIDGE (1716-1799) (later m PARTRIDGE)
- | | | | |11. George PARTRIDGE (1690-1769)
- | | | | |12. John PARTRIDGE (1657-1731)
- | | | | |12. Hannah SABERREY (1668-1700)
- | | | | |13. Samuel SABERREY (1640-1681)
- | | | | |13. Patience KEMP (1640-1676)
- | | | | |14. William KEMP (d 1641)
- | | | | |14. Elizabeth PARTRIDGE (1619-1664) (later m THACHER)
- | | | | |15. **Ralph PARTRIDGE (1579-1658) [13]**
- | | | | |16. **Thomas PARTRIDGE (1553-1605) [14]**
- | | | | |16. Joane –
- | | | | |15. Patience BATHURST (b 1583)
- | | | | |11. Lydia KEENE (1695-1728)
- | | | | |09. Joanna BLUNT (1748-1825)
- | | | | |07. Elizabeth VAN DUZER (1800-1873)
- | | | | |04. (Rose) Lorena DeCATOR (1887-1971)
- | | | | |05. Ralph Elton DeCATOR (1853-1926)
- | | | | |05. Jennie Martha ELLIS (1867-1930) (later m COLE)
- | | | | |06. William Henry Harrison ELLIS (1844-1920)
- | | | | |07. George ELLIS (1818-1888)
- | | | | |08. Jesse ELLIS (1783-1825)

- | | | | 08. Nancy HALLIDAY (1790-1879) (later m PARK; later m GRANSBURY)
- | | | | | 09. Solomon HALLIDAY (b 1743)*****
- | | | | | 10. Solomon HALLIDAY (1708-1757)
- | | | | | 10. Deliverance FILLEY (1716-1803)
- | | | | | 11. Josiah FILLEY (1676-1750)
- | | | | | 12. Samuel FILLEY (1643-1712)
- | | | | | 12. Hannah GILLET (1639-1711)
- | | | | | 13. Jonathan GILLET (1610-1677)
- | | | | | 14. **William GYLLETT (1574-1641) [6]**
- | | | | | 14. Habiathia TYES (1578-1681)
- | | | | | 15. **William TYES (1557-1623) [20]**
- | | | | | 15. Julian – (1558-1624)
- | | | | | 13. Mary DOLBERE (1607-1687)
- | | | | | 11. Esther EGGLESTON (b 1683)
- | | | | | 09. Bathsheba – (b 1747)
- | | | | | 07. Freelove NICHOLS (1818-1897) (later m QUICK)
- | | | | | 06-47. Mary Elizabeth PIERCE JOHNSON (1846-1892)
- | 02. Joy Ann BALINT (later m DZIRNKSSKI; later m SCISM; later m MORIN; later m DESMOND)
- | | 03. Paul Weeks BALINT (1911-1989)
- | | 03. Catherine Margaret HOWARD (1908-2003)
- | | | 04. Franklin Elmer HOWARD (1876-1966)
- | | | | 05. Lafayette HOWARD (1842-1911)
- | | | | 06. David HOWARD (1815-1885)
- | | | | 07. Silas HOWARD (1776-1860)
- | | | | 08. Zephaniah HOWARD (1731-1813)
- | | | | 08. Valeriah WOOLLEY (1737-1813)
- | | | | 09. Edward WOOLLEY (b 1692)
- | | | | 10. Edward WOOLLEY (1655-1728)
- | | | | 11. Emanuel WOOLLEY (b 1625)
- | | | | 12. **Edward WOOLLEY (1585-1628) [22]**
- | | | | 12. Margaret FRITCHLEY (1596-1627)
- | | | | 11. Elizabeth FREEMAN (1630-1720)
- | | | | 10. Lydia ALLEN (1660-1732)
- | | | | 09. Lydia STELLE (b 1709)
- | | | | 10. Gabriel STELLE (1685-1738)
- | | | | 10. Elizabeth WOOLLEY (1685-1723)
- | | | | 11. Edward WOOLLEY (1655-1728)
- | | | | 12. Emanuel WOOLLEY (b 1625)
- | | | | 13. **Edward WOOLLEY (1585-1628) [22]**
- | | | | 13. Margaret FRITCHLEY (1596-1627)
- | | | | 12. Elizabeth FREEMAN (1630-1720)
- | | | | 11. Lydia ALLEN (1660-1732)
- | | | 07. Amelia CASH (1783-1853)
- | | | 06. Caroline SWEET (1821-1863)
- | | 05. Catharine Jane MOORE (1839-1911)
- | | 04. Adeline DENEGAR (1873-1953)

*Thomas BLISS's wife Elizabeth was *probably* Elizabeth BIRCHARD, the daughter of Thomas BIRCHARD and Mary ROBINSON.

**Christopher YONGES was *probably* the son of Christopher YOUNGE and Johanna HORNE.

***Mehitabel ROUNDS was *probably* the daughter of Jotham ROUNDS and Rebecca SALISBURY.

****Robert WADE's wife Susanna was *probably* Susanna BIRCHARD, the daughter of Thomas BIRCHARD and Mary ROBINSON.

*****Solomon HALLIDAY was *probably* the Solomon HALLIDAY who was the son of Solomon HALLIDAY and Deliverance FILLEY.

[1] William EDDYE, b abt 1560, d 23 Nov 1616. Anglican. Curate, St. Peter's Ch. of Thurston (Suffolk) ENGLAND, 1583-86; Curate, St. Dunstan's Ch. of Cranbrook (Kent) ENGLAND, 1586-87; Curate, All Saints Ch. of Staplehurst (Kent) ENGLAND, 1587-91; Vicar, St. Dunstan's Ch. of Cranbrook (Kent) ENGLAND, 1591-1616. "He was a gentleman of much method and order in all his movements in the

Parish. He was a strict Episcopalian and did very much for his church and parishioners." "Known as a 'very methodical gentleman,' he was deeply committed to the Church of England, described as 'a strict Episcopalian, judicious in his counsels, humane in his advice, and a reprover of immorality.'"

[2] Richard EDWARDS, b abt 1575, d 31 Aug 1625. Anglican. Rector, St. James's Ch. of Freiston (Lincolnshire) ENGLAND, 1600-14; Rector, St. Botolph's Ch. of Aldgate (Middlesex) ENGLAND, 1615-18; Master, Ratcliffe Free-School of Stepney (Middlesex) ENGLAND, 1620-25.

[3] James FITCH, b 24 Dec 1622, d 18 Nov 1702. Congregationalist. Pastor, 1st Congregational Ch. of Old Saybrook CT, 1646-60; Pastor, 1st Congregational Ch. of Norwich CT, 1660-1702; Missionary to Mohegan Indians; Chaplain of CT Militia during King Philip's War, 1676. Author. "He was a man, for penetration of mind, solidity of judgment, devotion to the sacred duties of his office, and entire holiness of life, as also for skill and energy in preaching, inferior to none."

[4] William FLETCHER, bur 30 Jan 1668. Anglican. Rector, All Saints Ch. of Aston (S. Yorkshire) ENGLAND, 1621-51; Minister, Durham [Oyster River] NH, ?-1656; Minister in ENGLAND (place unknown), ?-1662. After his ejection from a parish in England, in 1662, he returned to New England, and died there.

[5] Peter FOULGER, b Aug 1617, d Apr 1690. Congregationalist, Baptist, Quaker. Missionary to Indians on Martha's Vineyard, 1656-61; Missionary to Indians on Nantucket; leader of a Quaker meeting in Nantucket MA. Author. Advocate of religious toleration. He was described as an "English scoolemaster that teacheth the Indians and instructs them on [the] Lord's day." "Peter Foulger" was "an able godly Englishman...employed in teaching the youth in Reading, Writing, and the Principles of Religion by Catechizing, being well learned likewise in the Scripture, and capable of helping them in religious matters."

[6] William GYLLETT, b abt 1574, d Mar 1641. Anglican. Minister in (Somerset) ENGLAND (place unknown), 1600-1606; Curate, Ch. of St. John the Evangelist & All Saints of Kingstone (Somerset) ENGLAND, 1606-10; Reader, Ch. of St. Michael & All Angels of Chaffcombe (Somerset) ENGLAND, 1610-20; Rector, Ch. of St. Michael & All Angels of Chaffcombe (Somerset) ENGLAND, 1620-41.

[7] John HOUSE / HOWSE, b abt 1565, d 30 Aug 1630. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary the Virgin of Eastwell (Kent) ENGLAND, 1603-1630; Curate, Ch. of St. James the Great of Egerton (Kent) ENGLAND, 1592-96.

[8] Joseph HULL, bp 24 Apr 1596, d 19 Nov 1665. Anglican, Congregationalist. Curate & Teacher, St. Andrew's Ch. of Colyton, Ch. of St. Michael & St. Jude of Winterborne Monkton, & St. Michael's Ch. of Shute (Devon) ENGLAND, 1619-21; Rector, St. Giles's Ch. of Northleigh (Devon) ENGLAND, 1621-32; Curate, Ch. of St. Aldhelm & St. Eadburgha of Broadway (Somerset) ENGLAND, 1633-35; Pastor of an independent congregation in Weymouth MA, 1635-39; Pastor of an independent congregation in Beverley [Bass River] MA, 1637-38; Pastor of an independent congregation in Barnstable MA, 1639; Pastor, 2nd Ch. of Yarmouth MA, 1641; Pastor of an independent congregation on the Isles of Shoals ME, 1641-43; Pastor of an independent congregation in York ME, 1643-47; Vicar, St. Mary Magdalen's Ch. of Launceston (Cornwall) ENGLAND, 1648-56; Rector, St. Buryan's Ch. of St. Buryan (Cornwall) ENGLAND, 1656-62; Pastor, 1st Congregational Ch. of Durham [Oyster River] NH, 1662; Pastor, 1st Congregational Ch. of Isles of Shoals ME, 1662-65. "Joseph developed a pattern of being in trouble with the church authorities. In 1629, the wardens of Crewkerne [Joseph's hometown in Somerset] were 'presented' for allowing him to preach there without signing the Book of Strange Preachers. He was cited for illegal preaching at Broadway...in January 1635. He allegedly preached a sermon at Glastonbury, in which he was quoted as saying that 'judgment hung over the land and that first it would fall on the clergy and then the laity.' On 17 February 1635, he was actually expelled from the Church of England, not for the preaching as such, but for 'failing to respond to the court's citation.' On 26 March 1635, he left for the New World." "He...was in antagonism to the Boston Puritanical Party, retaining his attachment for the old establishment. He was the political and religious opponent of Governor Winthrop, being more than suspected of Prelacy." "Sometime between March 1647 and January 1648/9, he and [his wife] Agnes and some of the children returned to England. ... In 1656 (April 11), he became Rector (or possibly Dean) at St Buryan, Cornwall (near Lands End). He did have some trouble with Quakers there. In 1659, George Fox, the Quaker apostle, visited Lands End, and wrote a paper addressed to priests and justices, containing some uncomplimentary remarks addressed specifically to 'Priest Hull': 'Priest Hull, are these thy fruits? Hast thou taught the people no better manners and conversation, who are so brutish and heathenish? And Priest Hull, have people spent their money upon thee for that which is no bread? All such teachers that make a trade of the Scriptures, we utterly deny, who own Christ, and are come off from your steeple-houses.' ... The Restoration of Charles II (1660) brought with it the restoration of the priest who had previously been in charge of St Buryan. Rev. Joseph was at loose ends again, and in 1662, he returned to America. He went first to Oyster River...where several of his

children were living. And he had some more trouble with Quakers there. '1662 – In Oyster River, Mary Tompkins went to Priest Hull's place of worship, "who standing before the old man, he began to tremble, and having spoken something against women's preaching, he was confounded and knew not what to say; whereupon Mary, standing up and declaring the truth to the people, John Hill in his wrath thrust her down from the place where she stood with his own hands, and the Priest [Hull] pinched her arms."'" "No whisper has reached us that he was unorthodox or weak in his theology, and of his moral nature we catch glimpses of but three traits; that in habit he was scholarly, in temperament religious, and in spirit contentious." "Joseph...had a way of avoiding confrontation if at all possible. His enemies called him contentious, which was ridiculous. He would do anything to avoid a fight, except change his opinions."

[9] John LAWRENCE, b abt 1525, d 2 Jan 1611. Anglican. Minister, St. Margaret's Ch. of Syleham (Suffolk) ENGLAND; Minister, St. Andrew's Ch. of Wissett (Suffolk) ENGLAND, ?-1607. "A plausible preacher but not so good a man as his father."

[10] John LAWRENCE, b abt 1500, d aft 1672. Anglican. Preacher for a secret congregation in or near St. James S. Elmham (Suffolk) ENGLAND, 1553-58; Minister, Ch. of St. Peter & St. Paul of Fressingfield (Suffolk) ENGLAND, 1559-1609. "A very worthy man, who had fled for religion in Queen Mary's day, and was privately a teacher of a congregation of such as so fled from their habitation, when they could at any time get together. In his old age he was preacher at Fressingfield, and as he was a man of great estate, so was he of great liberality to the poor, and full of good works." "A famous preacher, a reverend grave minister who had been a preacher to those who, fleeing for religion in Q. Marie's day, met together in woods and secret places, as they could. He was a gentleman of a great estate & exceeding liberality to the poor. In the time of Q. Elizabeth he preached as Fressingfield."

[11] John LOTHROPP, bp 20 Dec 1584, d 8 Nov 1653. Anglican, Congregationalist. Curate, St. Peter's Ch. of Benington (Hertfordshire) ENGLAND, 1607-09; Curate, Ch. of St. Mary the Virgin of Little Chart (Kent) ENGLAND, 1610-11; Curate, Ch. of St. James the Great of Egerton (Kent) ENGLAND, 1611-22; Pastor, 1st Independent Ch. of Southwark (Surrey) ENGLAND, 1623-34; Pastor, 1st Congregational Ch. of Scituate MA, 1634-39; Pastor, Congregational Ch. of Barnstable MA, 1639-53. Imprisoned in London for non-conformity 1632-34. "One of the great religious fathers of New England." "He was sometime preacher of God's word in Egerton in Kent, from whence he went to London, and was chosen pastor of a church there. He was greatly troubled, and imprisoned, for witnessing against the errors of the times. During the time of his imprisonment, his wife fell sick, of which sickness she died. He procured liberty of the bishop to visit his wife before her death, and commended her to God by prayer, who soon gave up the ghost. At his return to prison, his poor children, being many, repaired to the bishop at Lambeth, and made known unto him their miserable condition by reason of their good father's being continued in close durance; who commiserated their condition so far, as to grant him liberty, who soon after came over into New England, and settled for some time at the town of Scituate, and was chosen pastor of their church, and faithfully dispensed the word of God amongst them. And afterwards, the church dividing, a part whereof removed to Barnstable, he removed with them, and there remained until his death. He was a man of a humble and broken heart and spirit, lively in dispensation of the word of God, studious of peace, furnished with godly contentment, willing to spend, and to be spent, for the cause of the church of Christ." "Lathrop was a tolerant-minded man, an admirable scholar."

[12] John ORVYCE, b abt 1535, d 11 Jan 1583. Anglican. Vicar, All Saints Ch. of Terling (Essex) ENGLAND, 1568-1583 [probably longer].

[13] Ralph PARTRIDGE / PARTRICH, bp 12 Apr 1579, d Apr 1658. Anglican, Congregationalist. Curate, Ch. of St. Peter & St. Paul of Sutton-by-Dover (Kent) ENGLAND, 1604-34; Pastor, 1st Congregational Ch. of Duxbury MA, 1637-58. In England he was "a hunted partridge" who, "being distressed by the ecclesiastical setters, had no defence, neither of beak nor claw, but a flight over the ocean." "This partridge had not only the innocency of the dove, conspicuous in his blameless and pious life, which made him very acceptable in his conversation; but also the loftiness of an eagle, in the great soar of his intellectual ability." "His pious and blameless life became very advantageous to his doctrine; he was much honored and loved by all that conversed with him. He was of a sound and solid judgment in the main truths of Jesus Christ, and very able in disputation to defend them." At the Cambridge Synod in 1646 he was one of three ministers appointed to prepare drafts of a possible platform of polity and doctrine to be considered for adoption by the synod as a norm for New England Congregationalism. (At a later session of the Cambridge Synod in 1648, the draft prepared by Richard Mather was adopted, with a few revisions, as the "Cambridge Platform," rather than the drafts prepared by Partridge and by John Cotton.)

[14] Thomas PARTRIDGE / PARTRICH, b abt 1553, d 8 Jul 1605. Anglican. Vicar, Ch. of St. Mary the Virgin of Sutton Valence (Kent) ENGLAND, ?-1581; Vicar, St. Mary's Ch. of Lenham (Kent) ENGLAND, 1581-1605; Vicar, St. Margaret's Ch. of Wychling (Kent) ENGLAND, 1586-1605.

[15] Robert PECK, b 1580, d 10 Apr 1658. Anglican, Congregationalist, Anglican. Curate, Ch. of St. Peter & St. Paul of Oulton (Norfolk) ENGLAND, 1605; Rector, St. Andrew's Ch. of Hingham (Norfolk) ENGLAND, 1605-38; Teacher, 1st Congregational Ch. of Hingham MA, 1638-41; Rector, St. Andrew's Ch. of Hingham (Norfolk) ENGLAND, 1646-58. In 1622 he was charged with having "infected the parish with strange opinions as not to kneel when they come to church, that the name of Jesus is no more than a common name and that it is superstitious to bow at the name of Jesus." He was "suspended and excommunicated" in 1636; was "threatened with action by the Court of High Commission"; and was deprived of his living for "nonresidence" in 1638. "He was a zealous Puritan, and through his influence a number of his parishioners became Nonconformists and emigrated to New England." "He was by the good providence of heaven fetched away into New England about the year 1638, when the good people of Hingham did rejoice in the light for a season; but within two or three years, the invitation of his friends of Hingham, England, persuaded him to return to them, where being thought great in person for stature, yet greater for spirit, he was greatly serviceable for the good of the church."

[16] William PRATT, bp Oct 1562, d 1629. Anglican. Rector, St. Nicholas's Ch. of Stevenage (Hertford) ENGLAND, 1598-1629.

[17] Henry ROBINSON, bp 4 Apr 1557, bur 6 Nov 1625. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary & St. Peter of Fairstead (Essex) ENGLAND, ?-1625.

[18] Johannes ROHRBACH, bp 1 Jan 1662, d Sep 1710. Lutheran. Probably a minister in GERMANY (place unknown). Emigrated to New York; died soon after arrival.

[19] Samuel STOW, bp 8 Feb 1624, d 8 May 1704. Congregationalist. Pastor, 1st Congregational Ch. of Middletown CT, 1653-60; Pastor, 1st Congregational Ch. of Simsbury CT, 1680-86. The records of the Particular Court of Connecticut, for 1657, report that one "John Hall did reproach Mr. Stow, by saying, that hee was a pestilent person, a plague to the place, and that what hee preached was not woorth hearing. Whereuppon the court doth censure the said Hall to bee publicly reprov'd by the Magistrate at the next lecture at Wethersfield and to find suretyes for his good behavior." In Middletown "opposition to him had been growing for some time, which culminated [in 1659] in petitions to General Court, from him and his opponents. The Court authorized the town to employ some other minister, but gave him permission to preach to those who cared to hear him."

[20] William TYES, b abt 1557, bur 7 May 1623. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary the Virgin of Donyatt (Somerset) ENGLAND, 1592-1620. His burial record describes him as "William Tyas, rector of Donniate."

[21] (David) Jay WEBBER, b 10 Feb 1962. Lutheran. Pastor, Scriptural Evangelical Lutheran Ch. of Cape Girardeau / Randol Twp MO, 1988-90; Pastor, Trinity Lutheran Ch. of Brewster MA, 1990-97; Overseas Coordinator, Saint Sophia Ukrainian Lutheran Theological Seminary of Ternopil' UKRAINE, 1995-97; Rector, Saint Sophia Ukrainian Lutheran Theological Seminary of Ternopil' UKRAINE, 1997-2005; Pastor, Redeemer Lutheran Ch. of Scottsdale AZ, 2005-22; Pastor, Bethany Evangelical Lutheran Ch. of Princeton MN, 2022-present. Author.

[22] Edward WOOLLEY / WOLLEY, b abt 1585, bur 25 Jun 1628. Anglican. Vicar, St. Mary's Ch. of Crich (Derbyshire) ENGLAND, 1616-1628.

[23] Christopher YONGES / YOUNGE, b 1576, d 14 Jun 1626. Anglican. Curate, St. Peter's Ch. of Carlton-by-Kelsale (Suffolk) ENGLAND; Vicar, Ch. of St. Margaret of Antioch of Reydon & St. Edmund's Ch. of Southwold (Suffolk) ENGLAND, 1611-26. During his vicariate his parish "enjoyed an evangelical ministry." His epitaph in Southwold reads: "A good man full of faith was hee / Here preacher of Gods word / And manie by his ministrie / Were added to the Lord. Acts ii 24."

[24] Christopher YOUNGE, b abt 1545. Anglican. Vicar, St. Andrew's Ch. of Ashburton (Devon) ENGLAND & St. Peter & St. Paul Ch. of Ermington (Devon) ENGLAND.

ADDENDUM:

Paul Morgan Edward WEBBER [son of (David) Jay WEBBER and Carol Ruth WIMBLE]. Lutheran. Pastor, Hope Evangelical Lutheran Ch. of West Jordan UT, 2014-2023; Pastor, Concordia Evangelical Lutheran Ch. of Eau Claire WI, 2023-present.

Carol Ruth Wimble's Descent from Ministers of the Gospel

Remember those who led you, who spoke the word of God to you; and considering the result of their conduct, imitate their faith. Jesus Christ is the same yesterday and today and forever. Do not be carried away by varied and strange teachings... (Hebrews 13:7-9, NASB)

- 01. Carol Ruth WIMBLE [m (David) Jay WEBBER]
- | 02. Robert Whitney WIMBLE (1933-2023)
- | | 03. Ralph Burton WIMBLE (1903-1995)
- | | | 04. Wellington WIMBLE (1859-1942)
- | | | 04. Florence Abbie AMERMAN (1877-1940)
- | | | 05. Jacob D. AMERMAN (1845-1918)
- | | | 05. Sarah Maria DAVIS (1850-1924)
- | | | 06. Jacob DAVIS (1813-189—)
- | | | 06. Zilpha BACON (b 1806)
- | | | 07. Joseph BACON (1780-1866)
- | | | 07. Abigail BUGBEE (1782-1858)
- | | | 08. Caleb BUGBEE (1746-1821)
- | | | | 09. Samuel BUGBEE (1705-1790)
- | | | | 09. Susanna JOHNSON (1706-1794)
- | | | | | 10. Smith JOHNSON (b 1672)
- | | | | | | 11. Nathaniel JOHNSON (1647-1698)
- | | | | | | 12. Isaac JOHNSON (1616-1675)
- | | | | | | 12. Elizabeth PORTER (1611-1683)
- | | | | | | 13. Adrian PORTER (b 1586)
- | | | | | | 14. **Robert PORTER (1547-1624) [14]**
- | | | | | | 14. Margaret PLOMER (d 1610)
- | | | | | | 13. Elizabeth ALLOTT (1583-1617)
- | | | | | | 11. Mary SMITH (1643-1732)
- | | | | | | 10. Sarah MILLER (1678-1766)
- | | | | 08. Joanna EASTMAN (1749-1816)
- | 03. Mertie Belle WHITNEY (1889-1964)
- | 04. Fred Scott WHITNEY (1863-1891)
- | | 05. James WHITNEY (1820-1894)
- | | | 06. Alexander WHITNEY (1788-1871)
- | | | 06. Barbara WINSLOW (1792-1870)
- | | | 07. Hezekiah WINSLOW (1763-1838)
- | | | 07. Phoebe DOUGHTY (1764-1832)
- | | | 08. James DOUGHTY (b 1713)
- | | | | 09. James DOUGHTY (1678-1775)
- | | | | | 10. Thomas DOUGHTY
- | | | | | 10. Elizabeth BULLY (b 1653)
- | | | | | 11. Nicholas BULLY
- | | | | | 11. Ellen BOOTH (1634-1683) (later m HENDERSON)
- | | | | | 12. **Robert BOOTH (1602-1672) [2]**
- | | | | | 12. — — (name unk) (d 164—)
- | | | | 09. Mary ROBINSON (b 1688)
- | | | 08. Elizabeth BUTLER
- | | 05. Emeline STUBBS (1820-1915)
- | 04. Cora Ella CROCKER (1860-1937) (later m BIXBY)
- | 05. Chauncey Brewer CROCKER (1838-1924)
- | | 06. James Lathrop CROCKER (1801-1874)
- | | | 07. Israel CROCKER (1769-1813)
- | | | 08. James CROCKER (1747-1816)
- | | | 09. Jabez CROCKER (1702-1780)
- | | | 09. Experience FOX (b 1719)
- | | | | 10. John FOX (b 1685)
- | | | | 10. Elizabeth BAILEY
- | | | | | 11. John BAILEY (1661-1727)
- | | | | | 11. Elizabeth SMITH (1664-1722)
- | | | | | 12. Edward SMITH (1637-1689)

- |12. Elizabeth BLISS (1645-1689)
- |13. Thomas BLISS (1618-1688)
- |13. Elizabeth BIRCHARD (1621-1700)*
- |14. Thomas BIRCHARD (1595-1684)
- |14. Mary ROBINSON (1597-1655)
- |15. **Henry ROBINSON (1557-1625) [15]**
- |15. Elizabeth ORVYCE (1561-1621)
- |16. **John ORVYCE (1535-1583) [12]**
- |16. Jane – (1538-1592)
- |08. Prudence LATHROP (b 1748)
- |09. Israel LATHROP (1687-1774)
- |10. Israel LOTHROP (1659-1733)
- |11. Samuel LOTHROP (1622-1700)
- |12. **John LOTHROPP (1584-1653) [11]**
- |12. Hannah HOUSE (1590-1634)
- |13. **John HOUSE (1565-1630) [8]**
- |13. Alice – (d 1640)
- |11. Elizabeth SCUDDER (b 1625)
- |12. John SCUDDER (1590-1625)
- |12. Elizabeth STOUGHTON (1590-1647) (later m CHAMBERLAYNE) (CHAMBERLAIN)
- |13. **Thomas STOUGHTON (b 1555) [18]**
- |13. Katherine MONTESSON (d 1603)
- |10. Rebekah BLISS (1663-1737)
- |11. Thomas BLISS (1618-1688)
- |11. Elizabeth BIRCHARD (1621-1700)*
- |12. Thomas BIRCHARD (1595-1684)
- |12. Mary ROBINSON (1597-1655)
- |13. **Henry ROBINSON (1557-1625) [15]**
- |13. Elizabeth ORVYCE (1561-1621)
- |14. **John ORVYCE (1535-1583) [12]**
- |14. Jane – (1538-1592)
- |09. Sarah BRADFORD (b 1706) (prev m TUTTLE)
- |10. Joseph BRADFORD (1675-1747)
- |10. Anne FITCH (1675-1715)
- |11. **James FITCH (1622-1702) [6]**
- |11. Priscilla MASON (1641-1714)
- |12. John MASON (1600-1672)
- |12. Anne PECK (1619-1671)
- |13. **Robert PECK (1580-1658) [13]**
- |13. Anne LAWRENCE (1582-1648)
- |14. John LAWRENCE (b 155–)
- |15. **John LAWRENCE (1525-1611) [9]**
- |16. **John LAWRENCE (b 1500) [10]**
- |16. – – (name unk)
- |15. Anne SAMMES (1530-1580)
- |14. Elizabeth HERNE (b 1560)
- |07. Ruth STODDARD (1768-184–) (later m METCALF)
- |08. Benjamin STODDARD (1734-1788)
- |08. Ruth HAMMOND (1732-1754)
- |09. Caleb HAMMOND (b 1700)
- |09. Mary BREWSTER (b 1703)
- |10. Jonathan BREWSTER (1664-1704)
- |11. Benjamin BREWSTER (1633-1710)
- |12. Johnathan BREWSTER (1593-1659)
- |13. **William BREWSTER (1566-1644) [3]**
- |13. Mary – (1568-1627)
- |12. Lucretia OLDHAM (1601-1679)
- |11. Anna ADDIS (1628-1709) (prev m DARTE)
- |10. Judith STEVENS (1670-1756) (later m HUNTINGTON)
- |06. Hannah BREWER (1797-1842)
- |07. David BREWER (1768-1842)
- |08. Remembrance BREWER (1741-1773)
- |08. Hannah EDDY (1746-1780) (later m HALE)
- |09. Charles EDDY (1703-1771)
- |10. John EDDY (1666-1726)
- |11. Zachariah EDDY (1639-1718)

- | | | | | 12. Samuel EDDY (1608-1688)
- | | | | | 13. **William EDDYE (1560-1616) [5]**
- | | | | | 13. Mary FOSTEN (1568-1611)
- | | | | | 12. Elizabeth ROGERS (1608-1689)
- | | | | | 11. Alice PADDOCK (1640-1692)
- | | | | | 10. Hopestill BUTTERWORTH (b 1665) (prev m LUTHER)
- | | | | | 09. Hannah LOVELAND (b 1712)
- | | | | | 07. Hannah BUCK (1768-1825)
- | 05. Artelisa Adelia ROBINSON (1837-1892)
- | | 06. Johnson ROBINSON (1806-1878)
- | | | 07. Julius ROBINSON (1776-1816)
- | | | | 08. Benjamin ROBINSON (1749-1833)
- | | | | | 09. Benjamin ROBINSON (1704-1772)
- | | | | | 10. Peter ROBINSON (1655-1740)
- | | | | | 11. Isaack ROBINSON (1610-1704)
- | | | | | 12. **John ROBINSON (1576-1625) [16]**
- | | | | | 12. Bridget WHITE (b 1581)
- | | | | | 11. Mary –
- | | | | | 10. Experience LUMBERT (1673-1727)
- | | | | | 11. Jedediah LUMBERT (b 1640)
- | | | | | 11. Hannah WING (b 1643)
- | | | | | 12. Daniel WING (1616-1698)
- | | | | | 13. **John WING (1584-1630) [21]**
- | | | | | 13. Deborah BACHILER (b 1592)**
- | | | | | 14. **Stephen BACHILER (1561-1656) [1]**
- | | | | | 14. Ann BATE (1570-1624)
- | | | | | 12. Hannah SWIFT (1620-1665)
- | | 09. Jerusha BINGHAM (1709-1774)
- | | | 10. Samuel BINGHAM (1685-1760)
- | | | | 11. Thomas BINGHAM (1642-1730)
- | | | | | 11. Mary RUDD (1648-1726)
- | | | | | 12. Jonathan RUDD (1620-1658)
- | | | | | 12. Mary BIRCHARD (b 1623)***
- | | | | | 13. Thomas BIRCHARD (1595-1684)
- | | | | | 13. Mary ROBINSON (1597-1655)
- | | | | | 14. **Henry ROBINSON (1557-1625) [15]**
- | | | | | 14. Elizabeth ORVYCE (1561-1621)
- | | | | | 15. **John ORVYCE (1535-1583) [12]**
- | | | | | 15. Jane – (1538-1592)
- | | 10. Faith RIPLEY (1686-1721)
- | | | 11. Joshua RIPLEY (1658-1739)
- | | | | 12. John RIPLEY (1622-1684)
- | | | | | 12. Elizabeth HOBART (1632-1692)
- | | | | | 13. **Peter HOBART (1604-1679) [7]**
- | | | | | 13. Elizabeth IBROOK (b 1608)
- | | | 11. Hannah BRADFORD (1662-1738)
- | 08. Ruth JOHNSON (1750-1837)
- | | 09. John JOHNSON (b 1706)
- | | | 09. Mary ROBINSON (1710-1781)
- | | | | 10. Peter ROBINSON (1655-1740)
- | | | | | 11. Isaack ROBINSON (1610-1704)
- | | | | | 12. **John ROBINSON (1576-1625) [16]**
- | | | | | 12. Bridget WHITE (b 1581)
- | | | | | 11. Mary –
- | | | | | 10. Experience LUMBERT (1673-1727)
- | | | | | 11. Jedediah LUMBERT (b 1640)
- | | | | | 11. Hannah WING (b 1643)
- | | | | | 12. Daniel WING (1616-1698)
- | | | | | 13. **John WING (1584-1630) [21]**
- | | | | | 13. Deborah BACHILER (b 1592)**
- | | | | | 14. **Stephen BACHILER (1561-1656) [1]**
- | | | | | 14. Ann BATE (1570-1624)
- | | | | | 12. Hannah SWIFT (1620-1665)
- | 07. Asenath FELLOWS (b 1781) (later m NEWTON)
- | 08. Nathan FELLOWS (1748-1833)
- | | 09. Varney FELLOWS (1724-1820)

- |09. Hannah LATHROP (1725-1805)
- |10. John LATHROP (1699-1752)
- |11. Hope LOTHROP (1671-1736)
- |12. Joseph LOTHROP (1624-1702)
- |13. **John LOTHROPP (1584-1653) [11]**
- |13. Hannah HOUSE (1590-1634)
- |14. **John HOUSE (1565-1630) [8]**
- |14. Alice – (d 1640)
- |12. Mary ANSELL (1629-1713)
- |11. Elizabeth LOTHROP (1677-1763)
- |12. Melatiah LOTHROP (1646-1712)
- |13. Thomas LOTHROP (1613-1707)
- |14. **John LOTHROPP (1584-1653) [11]**
- |14. Hannah HOUSE (1590-1634)
- |15. **John HOUSE (1565-1630) [8]**
- |15. Alice – (d 1640)
- |13. Sarah LEARNED (b 1607) (prev m EWER)
- |12. Sarah FARRAR (1648-1712)
- |10. Ann THACHER (1697-1756)
- |11. John THACHER (1639-1713)
- |12. **Anthony THACHER (1593-1667) [19]**
- |13. **Peter THACHER (1547-1624) [20]**
- |13. – – (name unk)
- |12. Elizabeth JONES (b 1601)
- |11. Lydia GORHAM (1661-1744)
- |08. Jane TILDEN (1748-1785)
- |06. Phebe ATWELL (1806-1889)
- |07. Nathan ATWELL (1766-1844)
- |08. John ATWELL (1736-1820)
- |08. Bridget CUMMINGS (1739-1794)
- |09. William CUMMINGS (1712-1758)
- |10. John CUMMINGS (1682-1759)
- |10. Elizabeth ADAMS (1680-1759)
- |11. Pelatiah ADAMS (1646-1725)
- |12. Thomas ADAMS (1612-1688)
- |13. Henry ADAMS (1583-1646)
- |13. Edith SQUIRE (1587-1673) (later m FUSSELL)
- |14. Henry SQUIRE (b 1563)
- |15. **William SQUIRE (b 1501) [17]**
- |15. Alice SKARLETT (b 1530)
- |14. – – (name unk)
- |12. Mary – (1612-1695) (prev m BLACKMORE; later m SMITH; later m WALKER)
- |11. Ruth PARKER (d 1719)
- |09. Lucy COLBURN (1718-1808) (later m KENDALL; later m HOBART)
- |10. Thomas COLBURN (1675-1770)
- |10. Mary FARWELL (1681-1739)
- |11. Joseph FARWELL (1641-1722)
- |12. Henry FARWELL (1605-1670)
- |12. Olive WELBY (1604-1692)
- |13. Richard WELBY (b 1564)
- |13. Frances BULKELEY (1568-1610)
- |14. **Edward BULKELEY (1540-1621) [4]**
- |14. Olive IRBY (1547-1615)
- |11. Hannah LEARNED (b 1649)
- |07. Lydia HUNKINS (1772-1846)
- |08. Robert HUNKINS (1738-1818)
- |08. Lydia CHAMBERLIN (1746-1831)
- |09. Moses CHAMBERLIN (1716-1796)
- |09. Jemima WRIGHT (1717-1801)
- |10. Remembrance WRIGHT (1685-1765)
- |11. Benjamin WRIGHT (1660-1743)
- |12. Samuel WRIGHT (d 1675)
- |13. **Samuel WRIGHT (d 1665) [22]**
- |13. Margaret – (d 1681)
- |12. Elizabeth BURT (1630-1691) (later m DICKINSON)
- |11. Thankful TAYLOR (1663-1701)

*Thomas BLISS's wife Elizabeth was *probably* Elizabeth BIRCHARD, the daughter of Thomas BIRCHARD and Mary ROBINSON.

**John WING's wife Deborah was *probably* Deborah BACHILER, the daughter of Stephen BACHILER and Ann BATE.

***Jonathan RUDD's wife was *probably* Mary BIRCHARD, the daughter of Thomas BIRCHARD and Mary ROBINSON.

[1] Stephen BACHILER, b abt 1561, bur 31 Oct 1656. Anglican, Presbyterian. Chaplain to William West, Lord de la Warr, 1586-87; Vicar, Ch. of the Holy Cross & St. Peter of Wherwell (Hampshire) ENGLAND, 1587-1605; Pastor of an independent congregation in Southampton (Hampshire) ENGLAND, 1610 [perhaps longer]; Pastor of an independent congregation in Newton Stacy (Hampshire) ENGLAND, 1614-31; Pastor, 1st Congregational Ch. of Lynn MA, 1632-36; Pastor of an independent congregation in Lynn [Saugus] MA, 1636; Pastor of an independent congregation in Yarmouth [Mattacheese] MA, 1637-38; Pastor of an independent congregation in Newbury MA, 1638-39; Pastor, 1st Congregational Ch. of Hampton NH, 1639-41. Cited in Star Chamber in 1593 for having "uttered in a sermon at Newberry, very lewd speeches tending seditiously to the derogation of Her Majesty's government." Ejected from his vicarship in Wherwell in 1605 because of non-conformity and "Calvinistic opinions." Described in 1632 as having been "a notorious inconfirmit" during his time in Newton Stacy. Deposed from his pastorate in Hampton in 1641, because he, "being about 80 years of age, and having a lusty comely woman to his wife, did solicit the chastity of his neighbor's wife." Returned to England and died there at an advanced age. "A grave, reverend, and a good man." "Mr. Bachiler was a tall and sinewy man, with prominent features. Especially his nose, a very dark complexion, coarse black hair in his younger days, white in age, mouth large and firm, eyes as black as sloes, features long rather than broad, a strong clear voice, rather slow of motion and speech, simple in dress, obstinate and tenacious of his opinions to a marked degree, a powerful preacher drawing largely from scripture, impressing the hearers with the uncommon power and sanctity of his sermons, strong in his friendships and in his hates." "Among many remarkable lives lived by early New Englanders, Bachiler's is the most remarkable. From 1593, when he was cited before Star Chamber, until 1654, when he last makes a mark on New England records, this man lived a completely independent and vigorous life, never acceding to any authority when he thought he was correct. ...Stephen Bachiler was one of the few Puritan ministers active in Elizabethan times to survive to come to New England. As such he was a man out of his times, for Puritanism in Elizabethan times was different from what it became in the following century, and this disjunction may in part account for Bachiler's stormy career in New England." "He was the only still-nonconforming veteran of the 1605 campaign for conformity to emigrate."

[2] Robert BOOTH, b abt 1602, d 26 Oct 1672. Congregational. Lay Preacher, 1st Congregational Ch. of Biddeford [Saco] ME, 1653-59. "The record of the [Massachusetts] Commissioners Court held at Wells July 5th, 1653, at which time the government of Saco and other towns was settled, contains the following paragraph: 'the commissioners being informed that Saco is destitute of a good Minister, where it is much desired that all due care be taken to attain the same, and in the mean time, that their peace may be preserved, they do declare and order that Robert Booth shall have liberty to exercise his gifts for the edification of the people there.' Mr. Booth was one of the principal inhabitants. He was for many years a Magistrate, one of the Selectmen, and Town Clerk, and probably being in high repute for his piety, was appointed to take the lead of a meeting for worship until a regular minister could be obtained." "Assisted financially by an annual appropriation voted by the town, and voluntary contributions, he 'held forth' as a preacher for some years."

[3] William BREWSTER, b abt 1566, d 10 Apr 1644. Congregationalist. Ruling Elder, 1st Congregational Ch. of Plymouth MA, 1620-29; Ruling Elder, 1st Congregational Ch. of Duxbury MA, 1632-37; Chaplain, Plymouth (MA) Military Company. Author. Spiritual leader of the "Pilgrims" in Plymouth Colony. Not an ordained pastor, but functioned as such in many respects, and for several years, until pastors came to the colony. The Plymouth congregation's "reverend elder, Mr. Brewster, ...was beloved and honored by them, taking great pains in dispensing and teaching the word of God to them." He was "a man that had done and suffered much for the Lord Jesus and the gospel's sake, and had borne his part in weal and woe with this poor persecuted church above 36 years in England, Holland and in this wilderness, and done the Lord and them faithful service in his place and calling."

[4] Edward BULKELEY, b abt 1540, bur 5 Jan 1621. Anglican. Curate, St. Mary's Ch. of Shrewsbury (Shropshire) ENGLAND, 1560-71; Rector, All Saints Ch. of Odell (Bedford) ENGLAND, 1571-78; Vicar, St.

Mary's Ch. of Shrewsbury (Shropshire) ENGLAND, 1578-82; Rector, All Saints Ch. of Odell (Bedford) ENGLAND, 1582-1609. Author. "A faithful minister of the gospel." "A moderate Puritan."

[5] William EDDYE, b abt 1560, d 23 Nov 1616. Anglican. Curate, St. Peter's Ch. of Thurston (Suffolk) ENGLAND, 1583-86; Curate, St. Dunstan's Ch. of Cranbrook (Kent) ENGLAND, 1586-87; Curate, All Saints Ch. of Staplehurst (Kent) ENGLAND, 1587-91; Vicar, St. Dunstan's Ch. of Cranbrook (Kent) ENGLAND, 1591-1616. "He was a gentleman of much method and order in all his movements in the Parish. He was a strict Episcopalian and did very much for his church and parishioners." "Known as a 'very methodical gentleman,' he was deeply committed to the Church of England, described as 'a strict Episcopalian, judicious in his counsels, humane in his advice, and a reprover of immorality.'"

[6] James FITCH, b 24 Dec 1622, d 18 Nov 1702. Congregationalist. Pastor, 1st Congregational Ch. of Old Saybrook CT, 1646-60; Pastor, 1st Congregational Ch. of Norwich CT, 1660-1702; Missionary to Mohegan Indians; Chaplain of CT Militia during King Philip's War, 1676. Author. "He was a man, for penetration of mind, solidity of judgment, devotion to the sacred duties of his office, and entire holiness of life, as also for skill and energy in preaching, inferior to none."

[7] Peter HOBART / HUBBARD, bp 13 Oct 1604, d 20 Jan 1679. Anglican, Congregationalist. Curate, Ch. of St. Margaret of Antioch of Reydon & St. Edmund's Ch. of Southwold (Suffolk) ENGLAND, 1627-31; Curate, St. Mary's Ch. of Haverhill (Suffolk) ENGLAND, 1631-34; Pastor, 1st Congregational Ch. of Hingham MA, 1635-79. Author.

[8] John HOUSE / HOWSE, b abt 1565, d 30 Aug 1630. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary the Virgin of Eastwell (Kent) ENGLAND, 1603-1630; Curate, Ch. of St. James the Great of Egerton (Kent) ENGLAND, 1592-96.

[9] John LAWRENCE, b abt 1525, d 2 Jan 1611. Anglican. Minister, St. Margaret's Ch. of Syleham (Suffolk) ENGLAND; Minister, St. Andrew's Ch. of Wissett (Suffolk) ENGLAND, ?-1607. "A plausible preacher but not so good a man as his father."

[10] John LAWRENCE, b abt 1500, d aft 1672. Anglican. Preacher for a secret congregation in or near St. James S. Elmham (Suffolk) ENGLAND, 1553-58; Minister, Ch. of St. Peter & St. Paul of Fressingfield (Suffolk) ENGLAND, 1559-1609. "A very worthy man, who had fled for religion in Queen Mary's day, and was privately a teacher of a congregation of such as so fled from their habitation, when they could at any time get together. In his old age he was preacher at Fressingfield, and as he was a man of great estate, so was he of great liberality to the poor, and full of good works." "A famous preacher, a reverend grave minister who had been a preacher to those who, fleeing for religion in Q. Marie's day, met together in woods and secret places, as they could. He was a gentleman of a great estate & exceeding liberality to the poor. In the time of Q. Elizabeth he preached as Fressingfield."

[11] John LOTHROPP, bp 20 Dec 1584, d 8 Nov 1653. Anglican, Congregationalist. Curate, St. Peter's Ch. of Benington (Hertfordshire) ENGLAND, 1607-09; Curate, Ch. of St. Mary the Virgin of Little Chart (Kent) ENGLAND, 1610-11; Curate, Ch. of St. James the Great of Egerton (Kent) ENGLAND, 1611-22; Pastor, 1st Independent Ch. of Southwark (Surrey) ENGLAND, 1623-34; Pastor, 1st Congregational Ch. of Scituate MA, 1634-39; Pastor, Congregational Ch. of Barnstable MA, 1639-53. Imprisoned in London for non-conformity 1632-34. "One of the great religious fathers of New England." "He was sometime preacher of God's word in Egerton in Kent, from whence he went to London, and was chosen pastor of a church there. He was greatly troubled, and imprisoned, for witnessing against the errors of the times. During the time of his imprisonment, his wife fell sick, of which sickness she died. He procured liberty of the bishop to visit his wife before her death, and commended her to God by prayer, who soon gave up the ghost. At his return to prison, his poor children, being many, repaired to the bishop at Lambeth, and made known unto him their miserable condition by reason of their good father's being continued in close durance; who commiserated their condition so far, as to grant him liberty, who soon after came over into New England, and settled for some time at the town of Scituate, and was chosen pastor of their church, and faithfully dispensed the word of God amongst them. And afterwards, the church dividing, a part whereof removed to Barnstable, he removed with them, and there remained until his death. He was a man of a humble and broken heart and spirit, lively in dispensation of the word of God, studious of peace, furnished with godly contentment, willing to spend, and to be spent, for the cause of the church of Christ." "Lathrop was a tolerant-minded man, an admirable scholar."

[12] John ORVYCE, b abt 1535, d 11 Jan 1583. Anglican. Vicar, All Saints Ch. of Terling (Essex) ENGLAND, 1568-1583 [probably longer].

[13] Robert PECK, b 1580, d 10 Apr 1658. Anglican, Congregationalist, Anglican. Curate, Ch. of St. Peter & St. Paul of Oulton (Norfolk) ENGLAND, 1605; Rector, St. Andrew's Ch. of Hingham (Norfolk) ENGLAND, 1605-38; Teacher, 1st Congregational Ch. of Hingham MA, 1638-41; Rector, St. Andrew's Ch. of Hingham (Norfolk) ENGLAND, 1646-58. In 1622 he was charged with having "infected the parish with strange opinions as not to kneel when they come to church, that the name of Jesus is no more than a common name and that it is superstitious to bow at the name of Jesus." He was "suspended and excommunicated" in 1636; was "threatened with action by the Court of High Commission"; and was deprived of his living for "nonresidence" in 1638. "He was a zealous Puritan, and through his influence a number of his parishioners became Nonconformists and emigrated to New England." "He was by the good providence of heaven fetched away into New England about the year 1638, when the good people of Hingham did rejoice in the light for a season; but within two or three years, the invitation of his friends of Hingham, England, persuaded him to return to them, where being thought great in person for stature, yet greater for spirit, he was greatly serviceable for the good of the church."

[14] Robert PORTER, b abt 1547, bur 21 Feb 1624. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary the Virgin of Langham (Essex) ENGLAND, 1571-72; Vicar, St. Mary's Ch. of Standon (Hertfordshire) ENGLAND, 1572-75; Rector, St. Mary's Ch. of Watton-at-Stone (Hertfordshire) ENGLAND, 1575-1624.

[15] Henry ROBINSON, bp 4 Apr 1557, bur 6 Nov 1625. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary & St. Peter of Fairstead (Essex) ENGLAND, ?-1625.

[16] John ROBINSON, b 1576, d 1 Mar 1625. Anglican, Congregationalist. Fellow, Corpus Christi College, University of Cambridge (Cambridgeshire) ENGLAND, 1598-1604; Curate, St. Andrew's Ch. of Norwich (Norfolk) ENGLAND, 1603-06; Teacher, Independent Ch. of Scrooby (Nottingham) ENGLAND, 1607-08; Pastor, English Ch. of Leiden (S. Holland) NETHERLANDS, 1609-25. Author. Spiritual guide to "Pilgrims" who settled Plymouth Colony. "As he was a man learned and of solid judgment, and of a quick and sharp wit, so was he also of a tender conscience, and very sincere in all his ways, a hater of hypocrisy and dissimulation, and would be very plain with his best friends. He was very courteous, affable, and sociable in his conversation, and towards his own people especially. He was an acute and expert disputant, very quick and ready, and had much bickering with the Arminians, who stood more in fear of him than any of the University [of Leiden]. He was never satisfied in himself until he had searched any cause or argument he had to deal in, thoroughly and to the bottom; and we have heard him sometimes say to his familiars that many times, both in writing and disputation, he knew he had sufficiently answered others, but many times not himself; and was ever desirous of any light, and the more able, learned, and holy the persons were, the more he desired to confer and reason with them. He was very profitable in his ministry and comfortable to his people. He was much beloved of them, and as loving was he unto them, and entirely sought their good for soul and body. In a word, he was much esteemed and revered of all that knew him, and his abilities both of friends and strangers." "Yea such was the mutual love, and reciprocal respect that this worthy man had to his flock, and his flock to him; that it might be said of them, as it once was of that famous Emperor Marcus Aurelius, and the people of Rome: that it was hard to judge whether he delighted more in having such a people, or they in having such a pastor. His love was great towards them, and his care was always bent for their best good both for soul and body; for besides his singular abilities in divine things (wherein he excelled) he was also very able to give directions in civil affairs, and to foresee dangers, and inconveniences; by which means he was very helpful to their outward estates, and so was [in] every way as a common father unto them."

[17] William SQUIRE, b 1501. Anglican. Rector, Ch. of St. Peter & St. Paul of Charlton Mackrell (Somerset) ENGLAND, 1541-54; Rector, St. Thomas's Ch. of Cricket St. Thomas (Somerset) ENGLAND, 1559-64. "He refused to divorce his wife...under a 1553 declaration during reign of 'Bloody Mary' and...was deprived of benefice 10 Apr. 1554 for his refusal." Upon the accession of Queen Elizabeth he returned to the ministry in another parish, but was deprived of his living there on 13 July 1564. A reason is not given, but this was at a time when clergy who refused to accept the Elizabethan Settlement (both ardent Catholics and uncompromising Puritans) were being removed from office.

[18] Thomas STOUGHTON, b abt 1555. Anglican. Fellow, Queen's College, University of Cambridge (Cambridgeshire) ENGLAND, 1579-82; Minister, All Saints Ch. of Great Barford (Bedfordshire) ENGLAND, 1583-86; Rector, St. Mary's Ch. of Naughton (Suffolk) ENGLAND, 1586-94; Curate, Ch. of St. Mary Magdalene of Great Burstead (Essex) ENGLAND, 1594-1600; Vicar, Ch. of St. Peter ad Vincula of Great Coggeshall (Essex) ENGLAND, 1600-06; Chaplain, St. Bartholomew's Hospital of Sandwich (Kent) ENGLAND, 1616-22 [probably longer]. Author. "Due to his nonconformity he was admonished by Bishop Richard Vaughan and deprived of Coggeshall by the High Commission in 1606. Despite being removed from his living it was reported in 1606 that he 'doeth often expound the Word in his deske.'" "At the end of his life he recalled being present at Hampton Court 43 years earlier, where he heard ministers

preaching before Queen Elizabeth.” “He is said to have been sharply inclined towards the Presbyterianism of the early Tudor period. This theology advocated a radical questioning of the current Ecclesiastical affairs.” He was “a leading light of Elizabethan Puritanism who was silenced early in the reign of James I and spent the rest of his life producing theological pamphlets.”

[19] Anthony THACHER, b abt 1593, d 1667. Anglican. Curate, St. Edmund's Ch. of Salisbury (Wiltshire) ENGLAND, 1631-35. He served as an Anglican clergyman in England, but was a Congregationalist layman in New England. “Mr. Anthony Thacher...served as curate, to his brother, Peter, who was rector of the church of the parish of St. Edmunds, at Salisbury, County of Wiltz. Though an ardent Separatist, he, for this short period, found it consistent to act in this capacity, for a congregation of strong Puritan tendencies. ... In August, 1635, Mr. Thacher, with his family, his cousin, Rev. John Avery and family, and other connections, sailed from Ipswich in a bark bound to Marblehead. A great storm arose, the tide rising twenty feet. Their vessel was driven upon a rock on an island which now bears the name of Thacher, and his four children were drowned, he and his wife being the only ones saved of a company of twenty-three.” Thacher's own poignant account of this deadly hurricane and shipwreck, written to his brother Peter in England just a few days following their occurrence, was published by Increase Mather in his book *Remarkable Providences*. “He was honored and trusted by his generation, for his piety and wisdom.”

[20] Peter THACHER, b abt 1547, d 1624. Anglican. Vicar, St. Barnabas's Ch. of Queen Camel (Somerset) ENGLAND, 1574-1624.

[21] John WING, bp 12 Jan 1584, d 1630. Anglican, Presbyterian. Curate, St. Nicholas's Ch. of Strood (Kent) ENGLAND, 1605-08; Rector, St. Nicholas's Ch. of Strood (Kent) ENGLAND, 1608-14; Chaplain to the English Merchant Adventurers in Hamburg GERMANY, 1615-19; Minister, Sandwich (Kent) ENGLAND, 1619-20; Pastor, English Chs. of Flushing & Middleburg (Zealand) NETHERLANDS, 1620-27; Pastor, English Ch. of The Hague NETHERLANDS, 1627-29. Author. At the time of his death he was preparing to emigrate to New England, which his widow and children did then do. “A pious man, and edifying preacher.” “A man of strong spirituality, classic learning, masterful character, ready wit, fierce invective, a facile pen and a ready tongue.”

[22] Samuel WRIGHT, d 17 Oct 1665. Congregationalist. “In 1652 the pastor of the First Congregational Church in Springfield [Massachusetts] returned to England and Samuel was employed to ‘dispense the word of God in this place’ for fifty shillings per month. It was during this time he earned the title ‘Deacon.’ Deacon Samuel Wright left Springfield about 1656...” “After the resignation of the 1st minister, and his return to England in 1652, Deacon Wright, Deacon Chapin, Mr. Holyoke and Henry Burt all conducted religious services on the Sabbath.”

ADDENDUM:

Paul Morgan Edward WEBBER [son of (David) Jay WEBBER and Carol Ruth WIMBLE]. Lutheran. Pastor, Hope Evangelical Lutheran Ch. of West Jordan UT, 2014-2023; Pastor, Concordia Evangelical Lutheran Ch. of Eau Claire WI, 2023-present.

John Raymond Wilde's Descent from Ministers of the Gospel

Remember those who led you, who spoke the word of God to you; and considering the result of their conduct, imitate their faith. Jesus Christ is the same yesterday and today and forever. Do not be carried away by varied and strange teachings... (Hebrews 13:7-9, NASB)

- 01. **John Raymond WILDE (1947-1990)** [m Diane Marie FALKENBERG (later m GULLIXSON)] [18]
 - | 02. Francis A. WILDE (1909-1994)
 - | | 03. Ezra Amos WILDE (1881-1945)
 - | | | 04. Albert Carl WILDE (1855-1947)
 - | | | 04. Matilda SHELLY (1858-1947)
 - | | | 05. **Henry Landis SHELLY (1828-1913) [14]**
 - | | | | 06. Henry Boyer SHELLY (1785-1861)
 - | | | | 06. Elizabeth LANDIS (b 1787)
 - | | | | | 07. Abraham LANDIS (1753-1809)
 - | | | | | 07. Eve ZIEGLER (1771-1858) (later m HUNSBERGER; later m BAER)
 - | | | | | 08. Andrew ZIEGLER (1748-1774)
 - | | | | | 09. Christopher ZIEGLER (1714-1804)
 - | | | | | | 10. **Michael ZIEGLER (1685-1765) [20]**
 - | | | | | | 10. Catharine SCHRAUGER (1686-1765)
 - | | | | | 09. Deborah PAWLING (1719-1777)
 - | | | | | 08. Ann PORTER (1751-1784)
 - | | | | 05. (Anna) Margaret DRUSCHEL (1831-1918)
 - | | 03. Mary May FRANKLIN (1886-1966)
 - | 02. Kathryn Louise FARRELL (1918-1990)
 - | 03. Raymond Stuart FARRELL (1890-1977)
 - | | 04. Robert S. FARRELL (1863-1939)
 - | | 04. (Edith) Louisa ("Winnie") RIDLER (1870-1945)
 - | | | 05. George Clarke RIDLER (1842-1921)
 - | | | | 06. James RIDLER (b 1807)
 - | | | | | 07. William RIDLER (b 1770)
 - | | | | | 08. William RIDLER (d 1804)
 - | | | | | 08. Henrietta LANGDON (b 1742)
 - | | | | | 09. Gilbert LANGDON (1708-1791)
 - | | | | | | 10. **Gilbert LANGDON (1681-1735) [8]**
 - | | | | | | 10. Ann PLOWMAN (1688-1720)
 - | | | | | | 11. **William PLOWMAN (1647-1712) [13]**
 - | | | | | | 11. Elizabeth DAUBENEY (d 1720)
 - | | | | 09. Mary HOLWELL (b 1703)
 - | | | 07. — — (name unk) (d 1851)
 - | | 06. Ann HALL (b 1806)
 - | 05. Almira Jane BLAKER (1849-1927)
 - | | 06. Mahlon BLAKER (1806-1895)
 - | | | 07. Jesse BLAKER (1777-1870)
 - | | | 08. Achilles BLAKER (1757-1822)
 - | | | 08. Sarah BUCKMAN (1752-1831)
 - | | | | 09. Joseph BUCKMAN (1727-1794)
 - | | | | | 10. William BUCKMAN (1690-1754)
 - | | | | | 10. Esther PENQUITE (1694-1758)
 - | | | | | 11. John PENQUITE (1665-1719)
 - | | | | 11. **Agnes SHARP (1669-1858) [12]**
 - | | | 09. Martha CARR (1723-1761)
 - | | 07. Christiana THOMAS (1776-1812)
 - | | 06. Sarah HARRINGTON (1822-1905)
- | 03. Mary Pemelia MATTISON (1890-1928)
 - | 04. John Clark MATTISON (1862-1944)
 - | | 05. Clark Kendrick MATTISON (1836-1905)
 - | | | 06. Spink MATTESON (1802-1863)
 - | | | 06. Tabitha WAIT (1797-1894)
 - | | | 07. Peleg WAIT (1761-1847)
 - | | | 07. Mary GREENE (1766-1862)

- | | | 08. Benjamin GREENE (1719-1806)
- | | | 09. John GREENE (1685-1852)
- | | | 09. Mary AYLESWORTH (1688-1735)
- | | | 10. Arthur AYLESWORTH (1656-1725)
- | | | 10. Mary BROWN (1659-1726)
- | | | 11. John BROWN (1630-1677)
- | | | 12. **Chad BROWN (1605-1650) [3]**
- | | | 12. Elizabeth SHARPAROWE (1604-1673)
- | | | 11. Mary HULME (b 1637)
- | | | 12. **Obadiah HULME (1610-1682) [5]**
- | | | 12. Katherine HYDE (1608-1682)
- | | 08. Anna GREENE (b 1736) (prev m SWEET)
- | | 09. Henry GREENE (1696-1752)
- | | 09. Margaret RATHBUN (1700-1756)
- | | 10. Joseph RATHBUN (1670-1749)
- | | 10. Mary MOSHER (1673-1748)
- | | 11. **Hugh MOSHER (1633-1713) [99]**
- | | 11. Rebecca MAXSON (1641-1708)
- | 05. Sarah Maria NORTHUP (1842-1907)
- | | 06. John Henry NORTHUP (1813-1893)
- | | 07. Clarke NORTHUP (1769-1847)
- | | 08. Carr NORTHUP (1747-1774)
- | | | 09. Immanuel NORTHUP (1699-1790)
- | | | 09. Anne CARR (1710-1780)
- | | | 10. Nicholas CARR (b 1679)
- | | | 10. Frances HOLMES (1688-1724)
- | | | 11. John HOLMES (1649-1712)
- | | | 12. **Obadiah HULME (1610-1682) [5]**
- | | | 12. Katherine HYDE (1608-1682)
- | | | 11. Mary SAYLES (1652-1718) (prev m GREENE)
- | | | 12. John SAYLES (d 1681)
- | | | 12. Mary WILLIAMS (1633-1681)
- | | | 13. **Roger WILLIAMS (1603-1684) [19]**
- | | | 13. Mary BERNARD (1609-1676)
- | | | 14. **Richard BERNARD (1568-1642) [2]**
- | | | 14. -- (name unk)
- | | 08. Sarah Anne CLARKE (1747-1826)
- | | 07. **Mary KNOWLES (1771-1847) [6]**
- | | 08. **Reynolds KNOWLES (1750-1845) [7]**
- | | 08. Ruth ALLEN (d 1784)
- | 06. Elvira Hicks ELDRED (1820-1890)
- | | 07. James ELDRED (1793-1831)
- | | 08. Joseph ELDRED (1760-183-)
- | | 08. Hannah ELLITHORPE (1765-1839)
- | | | 09. Ichabod ELLITHORPE (1741-1824)
- | | | 10. Henry ELLITHORPE (1684-1790)
- | | | 10. Mehitabel ASPINWALL (1699-1741)
- | | | 11. Nathaniel ASPINWALL (1666-1713)
- | | | 11. Abigail BOWEN (1670-1736)
- | | | 12. Henry BOWEN (1634-1724)
- | | | 12. Elizabeth JOHNSON (1637-1701)
- | | | 13. Isaac JOHNSON (1616-1675)
- | | | 13. Elizabeth PORTER (1611-1683)
- | | | 14. Adrian PORTER (b 1586)
- | | | 15. **Robert PORTER (1547-1624) [11]**
- | | | 15. Margaret PLOMER (d 1610)
- | | | 14. Elizabeth ALLOTT (1583-1617)
- | | 09. Sarah BUFFINGTON (1743-1819)
- | | 07. Nancy NORTHUP (1795-1873) (later m CROUCH)
- | 04. Catharine Elizabeth TAYLOR (1864-1908)
- | | 05. (Timothy) Dwight TAYLOR (1832-1900)
- | | 06. **Vernon Dyke TAYLOR (1798-1864) [16]**
- | | 06. Catherine Maria WOODRUFF (1809-1837)
- | | 07. Enoch John WOODRUFF (1786-1855)
- | | 08. Samuel WOODRUFF (1759-1847)
- | | 09. John WOODRUFF (1729-1799)

- | | | | 10. John WOODRUFF (1703-1768)
- | | | | 10. Hannah ANDREW (1704-1768)
- | | | | 11. **Samuel ANDREW (1656-1738) [1]**
- | | | | 11. Abigail TREAT (1660-1727)
- | | | | 09. Hannah LAMBERT (1734-1812)
- | | | | 10. Jesse LAMBERT (1692-1773)
- | | | | 10. Mary GILLETT (1697-1776)
- | | | | 11. Eliphalet GILLETT (1672-1747)
- | | | | 12. Jeremiah GILLETT (1650-1708)
- | | | | 13. Jeremiah GILLETT (b 1616)
- | | | | 14. **William GYLLETT (1574-1641) [4]**
- | | | | 14. Habiathia TYES (1578-1681)
- | | | | 15. **William TYES (1557-1623) [17]**
- | | | | 15. Julian – (1558-1624)
- | | | | 13. – – (name unk)
- | | | | 12. Rachel KELSEY (b 1650)
- | | | | 11. Mary WHEELER (1679-1731)
- | | | | 08. Jemima JUDD (1761-1838)
- | | | | 07. Catherine M. ENSIGN (1791-1823)
- | | | | 08. Isaac ENSIGN (1769-1848)
- | | | | 08. Sabra CAMP (1771-1848)
- | | | | 09. Abel CAMP (1748-1825)
- | | | | 09. Sabra MARSH (1749-1807)
- | | | | 10. George MARSH (b 1708)
- | | | | 11. John MARSH (1668-1774)
- | | | | 11. Elizabeth PITKIN (1687-1748)
- | | | | 12. William PITKIN (1635-1694)
- | | | | 13. **William PITKIN (1608-1643) [10]**
- | | | | 13. Elizabeth HASTINGS (1612-1641)
- | | | | 12. Hannah GOODWIN (1639-1724)
- | | | | 10. Lydia BIRD (b 1710)
- | | | | 11. Thomas BIRD (1670-1725)
- | | | | 11. Mary WOODFORD (1663-1723)
- | | | | 12. Joseph WOODFORD (1634-1710)
- | | | | 12. Rebeckah NEWELL (1643-1711)
- | | | | 13. Thomas NEWELL (1611-1689)
- | | | | 13. Rebecca OLMSTEAD (1624-1698)
- | | | | 14. Richard OLMSTEAD (1580-1641)
- | | | | 14. Frances SLANYE (1586-1630)
- | | | | 15. **Richard SLANYE (1550-1599) [15]**
- | | | | 15. Margaret ADAMS (d 1597)
- | | | | 05. Mary KIRKHAM (1839-1921)

[1] Samuel ANDREW, b 29 Jan 1656, d 24 Jan 1738. Congregationalist. Tutor & Fellow, Harvard College of Cambridge MA, 1679-84; Pastor, 1st Congregational Ch. of Milford CT, 1685-1738; Rector pro tempore, Collegiate School / Yale College of Wethersfield CT and later of New Haven CT, 1707-19. One of the founders and original trustees of Collegiate School / Yale College. During his rectorship, in 1716, the institution was permanently located at New Haven. Also during his rectorship, in 1718, the name of the institution was changed from Collegiate School to Yale College. Andrew was “one of the most prominent and respected ministers in the Connecticut Colony. ... Andrew was a scholar and rarely left his study. Such parish duties as visiting the sick, consoling the poor, or officiating at funerals were almost always left to the church elders and deacons. But he did take a lively interest in the college project.” In 1707 “Andrew, then fifty-one, accepted the post of rector pro tempore. ... Although Andrew was a scholar of wide repute and undoubtedly a good teacher, he was a poor administrator. ... The most noteworthy event of Andrew’s early administration occurred when twelve Connecticut ministers, nine of them trustees of the College, together with four laymen who composed the Saybrook Synod, met on September 9, 1708, and formulated the famous Saybrook Platform. This provided that every officer of the Collegiate School had to accept publicly the Confession of Faith adopted by the Synod. The orthodox Calvinistic faith thus became the officially adopted creed of the School and was strictly taught to its scholars.” His epitaph in Milford reads (with modernized spelling): “Pastor of ye Church of Christ in this Place for above 50 Years: formerly Fellow of Harvard College, & more lately Rector of Yale College: a singular Ornament & Blessing in every Capacity & Relation of Exemplary Holiness & unwearied Labors. Modest, Courteous & Beneficent; never fond of this World, earnestly pursuing & recommending a Better, greatly esteemed in Life, & Lamented at Death: which was January 24th A.D. 1737/8 lacking 5 Days to complete 82 Years of Life.”

[2] Richard BERNARD, b 11 Apr 1568, d 16 Mar 1642. Anglican. Vicar, Priory Ch. of St. Mary & St. Cuthbert of Worksop (Nottinghamshire) ENGLAND, 1598-1605; Pastor of an independent congregation in Worksop, 1606-07; Vicar, Priory Ch. of St. Mary & St. Cuthbert of Worksop, 1607-12; Rector, Ch. of St. Mary the Virgin of Batcombe (Somerset) ENGLAND, 1613-42; Prebend of Segeston, Cathedral Ch. of the Blessed Virgin Mary (Southwell Minster) of Southwell (Nottinghamshire) ENGLAND, 1620-42; Royal Chaplain in Extraordinary, 1628-42. A prolific author and an influential Puritan theologian. "Throughout most of his career Bernard was an example of those godly Protestants who practised as much nonconformity as they could within the established church, yielding to authority as necessary but willing to work with those bishops who appreciated his marked commitment to elevating the piety of his parishioners through preaching and catechising." "Barnard was a Calvinist Puritan, but a moderate one. Bernard advocated a joyful approach to life, instead of the more serious and pious disposition that was encouraged at the time. Bernard wrote: 'there is a kind of smiling and joyful laughter...which may stand...with the best man's piety.' He flirted with nonconformity with the Anglican Church when he was first preaching. He lost his job over his dissent in Worksop on 15 March 1605. He formed his own congregation of about 100 in 1606 in a separatist church, but then returned to his parish post in Worksop in 1607. He still refused to make the sign of the cross during baptisms, however. This led to him being brought before church courts again in 1608 and 1611. ... He frequently wrote against Separation, which put him in conflict with [John] Robinson and the New England churches." "Richard Bernard...became vicar of Worksop in Nottinghamshire, where he experienced great encouragement in his ministry, and was exceedingly beloved by his people. As a preacher, he was much followed, and his labours were rendered a blessing to many. ... About the year 1613, Mr. Bernard, on account of his excellent learning, genuine piety, and ministerial abilities, was presented to the living of Batcombe in Somersetshire. ... In this situation, as well as the former, Mr. Bernard laboured more abundantly than many of his brethren, and his endeavours were rendered extensively useful. He was opposed to a total separation from the church, and wrote with some zeal against the Brownists; but was an enemy to the imposition of human ceremonies in divine worship, and wrote against them as unlawful. He was indeed called a conformable puritan, though he refused to observe many of the ceremonies, and the exact conformity required of the clergy. It is supposed that he obtained some connivance and indulgence from the Bishop of Winchester, his diocesan, who had been one of his familiar associates at the university: and on this account he escaped those suspensions and deprivations under which many of his brethren frequently groaned. He was a hard student, a most exemplary Christian, and much addicted to acts of charity; also a judicious, affectionate, and profitable preacher, being filled with zeal for the glory of God and the salvation of souls. ... Mr. Conant gives the following account of Mr. Bernard's character, labours, and usefulness: 'I had for sundry years past, some intimate acquaintance with him; during which time, as, by the testimony of many godly and learned persons long before, he hath constantly been very laborious in the public exercise of his ministry; the fruit whereof was scaled by the conversion of many souls to God. His labours in the ministry were bestowed not only in his own congregation, but in several of the adjacent market towns; where weekly lectures were for many years continued, by the free and voluntary assistance of pious, godly, and orthodox divines, until they were, by the last bishop of that diocese, to the great prejudice of many souls, imperiously suppressed. In his ministerial work he was a leader and pattern to many, exemplifying in his sermons that method of preaching which many years since, in his *Faithful Shepherd*, he prescribed, or at least proposed, in writing. Divers painful and profitable labourers in the Lord's vineyard had their first initiation and direction from and under him; to whom also many others had recourse, and from whom they borrowed no small light and encouragement. His people, by his constant pains in catechizing, (wherein he had an excellent facility,) as well as his preaching, were more than ordinary proficient in the knowledge of the things of God; and the youth of his congregation were very ready in giving a clear account of their faith, whereof he would often speak with much rejoicing. That the knowledge of his people was not merely speculative, appeared by the many liberal contributions which, for pious and charitable uses, were made by them; wherein, I suppose, they were not inferior to any congregation in the whole county wherein he lived. His preaching and catechizing were accompanied with zeal, frequency, and fervency in prayer, wherein he was very ready and powerful, and whereby all his other labours became the more successful. With all these, his ordinary and more private conversation held a good correspondence; he being bold, expert, and candid in admonishing or reproof, as occasion presented; tender also and cordial in comforting the afflicted or wounded spirit; and, in a word, he shewed much integrity in all his actions. He was, in his private studies, according to that strong constitution wherewith God had blessed him, indefatigable: the benefit whereof the church of God enjoyeth, in those many tractates written and printed by him; as most men versed in theological studies will give testimony.' He was a learned divine and a zealous pastor, of which his numerous writings afford ample proof. They also discover great precision of thought, and much strength and energy of mind. It is added, that the same uncommon ardour which is discovered throughout his writings, was, during a long and laborious ministry, manifested with extensive effects in his immediate and extra-parochial engagements."

[3] Chad BROWN, b abt 1605, d abt 1650. Baptist. Pastor, 1st Baptist Ch. of Providence RI, 1642-50. A "wise and godly soul."

[4] William GYLLETT, b abt 1574, d Mar 1641. Anglican. Minister in (Somerset) ENGLAND (place unknown), 1600-1606; Curate, Ch. of St. John the Evangelist & All Saints of Kingstone (Somerset) ENGLAND, 1606-10; Reader, Ch. of St. Michael & All Angels of Chaffcombe (Somerset) ENGLAND, 1610-20; Rector, Ch. of St. Michael & All Angels of Chaffcombe (Somerset) ENGLAND, 1620-41.

[5] Obadiah HULME, bp 18 Mar 1610, d 15 Oct 1682. Baptist. Pastor of an independent congregation in Rehoboth MA, 1650; Pastor, 1st Baptist Ch. of Newport RI, 1652-82. Author. Given 30 lashes with a 3-cord whip in 1651 at Boston MA, for Baptist activities within the colony, by order of the Massachusetts Bay Colony General Court. "To his dying day, more that thirty-one years later, he testified that he did not suffer pain while the punishment was being inflicted, though there were many days afterward, running into weeks, during which his only rest and sleep were obtained by a sort of lying or resting on his knees and elbows."

[6] Mary KNOWLES NORTHUP, b 21 Sep 1771, d 2 Jan 1847. Quaker. Preacher in Quaker meetings in Granville NY and Slyboro NY.

[7] Reynolds KNOWLES, b 1 Jan 1750, d 3 Jan 1845. Quaker. Preacher in Quaker meetings in Granville NY and Westerlo NY.

[8] Gilbert LANGDON, bp 10 Jan 1681, bur 14 Jun 1735. Anglican. Vicar, St. Swithun's Ch. of Woodbury (Devon) ENGLAND, 1722-35 [probably longer].

[9] Hugh MOSHER, b 1633, d 1713. Baptist. Pastor, Baptist Chs. of Dartmouth MA, Tiverton RI, and Little Compton RI, 1684-1713. "He is a substantial man... [W]hatsoever Mosier doth, he doth publicly, and makes account."

[10] William PITKIN, bp 11 Dec 1608, bur 24 Jul 1643. Anglican. Headmaster, Berkhamsted Grammar School for Boys of Great Berkhamsted (Hertfordshire) ENGLAND (adjacent to St. Peter's Ch. of Great Berkhamsted), 1636-1643. His burial record describes him as "A minister."

[11] Robert PORTER, b abt 1547, bur 21 Feb 1624. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary the Virgin of Langham (Essex) ENGLAND, 1571-72; Vicar, St. Mary's Ch. of Standon (Hertfordshire) ENGLAND, 1572-75; Rector, St. Mary's Ch. of Watton-at-Stone (Hertfordshire) ENGLAND, 1575-1624.

[12] Agnes SHARP PENQUITE, b abt 1669, d 20 Nov 1758. Quaker. "John Penquite...was the third white settler in what is now Wrightstown township, Bucks Co., Pa. He was an...active and zealous Friend. Meetings were held in his house for over twenty years, until the building of the first meeting house, in 1721. ...John Penquite married...Agnes Sharp, who...became a highly respected minister among Friends, devoting over 70 years to useful work in the religious field." "She was of an innocent pious life and conversation, a good example in attending meetings both on first and on week-days, until a few years before her death. She was a minister above seventy years; her testimony, tho' generally short, was mostly to satisfaction and edification; and in her declining age, when nature seemed almost spent, she appeared more divinely favoured than common, to the admiration of some. When she could no longer attend meetings, she would often, at meal times, appear in prayer, with praises to the Lord, to the comfort and satisfaction of those present; and frequently signified, 'She had the evidence of divine peace.' Not long before her departure she said, 'That her sweet Lord had not forsaken her, but was still with her to comfort and refresh her in her old age.' Thus she was removed from time to eternity, like a shock of corn fully ripe."

[13] William PLOWMAN, b abt 1647, d 20 Oct 1712. Anglican. Usher (Second Master), Sherburne School of Sherborne (Dorset) ENGLAND, 1667-75; Vicar, St. Nicholas' Ch. of Abbotsbury (Dorset) ENGLAND, 1674-94; Rector, St. Michael's Ch. of Winterborne Steepleton (Dorset) ENGLAND, 1694-96; Rector, St. Peter's Ch. of Winterborne Came & St. German's Ch. of Winterborne Faringdon (Dorset) ENGLAND, 1696-1701; Rector, St. Peter's Ch. of Long Bredy (Dorset) ENGLAND, 1701-12. Regarding his "master's teaching licence" as Usher at the Sherburne School, "In 1670 he had been furnished with the official certificate of approval for transmission to the ordinary. This was based on the Statutes of 1592, and Plowman claimed that by swearing before the school Warden never to teach Papistry 'he is become Perfect and Compleat Usher to all intents and purposes. And he did repaire to the City of New Sarum' with his headmaster to suscribe to the Act of Uniformity, only to find himself fobbed off on the day by the Dean's deputy who accepted the master, but rejected the usher. ...in 1672 Plowman was forced to appeal to the Governors, reporting 'that the Deane has lately again cited him (as several times within the Compasse of 12 months past) to appear at his Court at Sarum to show cause why he should not be excommunicated (amongst other things) for refusing to take a licence to teach as Usher here.' This Dean of Salisbury was Ralph Brideoake... ..the Sherborne Governors supported Plowman, took the matter successfully to court and paid the costs. In spite of this, three years later they were not prepared to waive in his case the

prohibition on clerical duty and Plowman had to resign in consequence.” His gravestone is in the floor of the chancel at St. Peter’s Church of Long Bredy and is inscribed as follows: “P.M.S. GW: Plowman A.M. Luj eccliae Rectoris qui obit Octob Vicesimo anno. Dom. 1712.”

[14] Henry Landis SHELLY, b 13 Dec 1828, d 31 Aug 1913. Mennonite. Minister, Gardner Mennonite Ch. of Gardner IL, 1865-85. He also preached among Mennonites in Livingston County IL until 1889.

[15] Richard SLANYE, b abt 1550, bur 14 Apr 1599. Anglican. Rector, St. Mary’s Ch. of Bartlow (Cambridge) ENGLAND, 1574-99. His burial record describes him as “Richard Slanye Parson of Bartloe.”

[16] Vernon Dyke TAYLOR, b 1798, d 26 Sep 1864. Congregationalist, Presbyterian. Pastor, Congregational Ch. of Elizabethtown NY, 1826-30; Pastor, Presbyterian Ch. of Essex NY, 1830-31; Pastor, Congregational Ch of Litchfield (South Farms / Morris) CT, 1831-33; Pastor, 1st Congregational Ch of Amenia NY, 1833-35; Chaplain, Bethel Ch. of Cleveland OH, 1835-39; Presbyterian Home Missionary in Comstock MI, 1839-41 [perhaps longer]; Pastor, Presbyterian Ch. of Buffalo NY, 1843 [perhaps longer]; Pastor, Presbyterian Ch. of Cleveland OH, 1845-47 [perhaps longer]; Home Missionary, 1st Presbyterian Ch. of Parma / Huntsburg OH, 1849-50; Pastor, Congregational Ch. of Huntsburg OH, 1850-54. “Rev. Vernon Dyke Taylor, a Presbyterian clergyman about 36 years old, came to Cleveland from Connecticut in 1835, and took charge of the Bethel – a chapel for seamen. He was an earnest worker wherever stationed. His previous church had been in a constant revival during the seven years he had been its pastor.” “The Western Seamen’s Friend Society,” with which the Bethel Church was connected, “was formed in 1830, by a convention of delegates from different denominations, held in Trinity Church, Cleveland. In 1833 a chapel was erected in front of the canal basin. ... In 1835, Rev. V. D. Taylor was appointed Chaplain. The Bethel Church was organized Oct. 25th, 1835.”

[17] William TYES, b abt 1557, bur 7 May 1623. Anglican. Rector, Ch. of St. Mary the Virgin of Donyatt (Somerset) ENGLAND, 1592-1620. His burial record describes him as “William Tyas, rector of Donniate.”

[18] John Raymond WILDE, b 14 Jun 1947, d 7 Jun 1990. Lutheran. Pastor, Trinity Lutheran Ch. of Brewster MA, 1982-83; Pastor, Trinity Lutheran Ch. of Sebastian FL, 1984-90.

[19] Roger WILLIAMS, b 21 Dec 1603, d Mar 1683. Anglican, Congregationalist, Baptist. Chaplain to Sir William Masham of Otes, High Laver (Essex) ENGLAND, 1629-30; Teaching Assistant, 1st Congregational Ch. of Plymouth MA, 1631-33; Teaching Assistant, 1st Congregational Ch. of Salem MA, 1633-34; Teacher, same ch., 1634; Pastor, same ch., 1634-35; Pastor, 1st Baptist Ch of Providence RI, 1636-39. Author. Advocate of the separation of political and spiritual authority, and founder of the Rhode Island colony. He was at first a Puritan in the Church of England, then a Separatist Congregationalist, then a Baptist (the founder, in fact, of the first Baptist congregation in America), and was finally a member of no church, who awaited a divine restoration of the true church through Christ’s sending of new apostles to the earth. “Roger Williams only briefly remained a Baptist. After only a few months, he became convinced that the ordinances, having been lost in the Apostasy [when Christianity became the official religion of the Roman Empire], could not be validly restored without a special divine commission. He declared: ‘There is no regularly constituted church of Christ on earth, nor any person qualified to administer any church ordinances; nor can there be until new apostles are sent by the Great Head of the Church for whose coming I am seeking.’ Williams never again affiliated himself with any church, but remained deeply religious and active in preaching and praying. ... Williams remained interested in the Baptists, agreeing with their rejection of infant baptism and most other matters.” “Williams the arch-liberal in polity was in his creed a conservative Biblicist. Not only did he use a minimum of secondary sources in his arguments, preferring to depend upon the Bible and nothing but the Bible, but he held a low opinion of secular and rationalistic scholarship in general. Just as he endeavored to wrest religion from the grasp of the state, so also did he seek to separate true piety from the learning taught at Oxford and Cambridge.” “A man godly and zealous, having many precious parts but very unsettled in judgment.”

[20] Michael ZIEGLER, b 4 Sep 1685, d 24 Aug 1765. Mennonite. Minister, Mennonite Ch. of Perkiomen Twp PA, 1722-63; Minister, Mennonite Ch. of Skippack PA, 1722-52. He was a weaver, a farmer, and a minister. He was a preacher for the Skippack Mennonite Church and also preached at the Germantown (Pennsylvania) Mennonite Church. He served for 30 years as Elder of the Skippack Church. The second church of the Mennonites in America was built in Skippack in 1725, the first having been built in Germantown. There were several ministers in Skippack, who took turns preaching and who also from time to time traveled to other places to preach. Michael Ziegler subscribed to the Dordrecht Articles of Faith in 1725, and in 1727 participated in the first Conference of the Mennonite Church in America, where these Articles were formally adopted.

Paula Christine Johnson's Descent from Ministers of the Gospel

Remember those who led you, who spoke the word of God to you; and considering the result of their conduct, imitate their faith. Jesus Christ is the same yesterday and today and forever. Do not be carried away by varied and strange teachings... (Hebrews 13:7-9, NASB)

- 01. Paula Christine JOHNSON [m James John KRAUSE]
 - | 02. Dean Francis JOHNSON (1931-2019)
 - | 02. Marilyn Ruth LEWIS
 - | 03. Donald Hoover LEWIS (1899-1977)
 - | | 04. John Hoover LEWIS (1867-1948)
 - | | | 05. Thomas Hervy LEWIS (1830-1906)
 - | | | 06. Thomas LEWIS (1791-1859)
 - | | | 07. Thomas LEWIS (1757-1845)
 - | | | 07. Mary MORGAN (1768-1855)
 - | | | | 08. **Morgan MORGAN (1737-1797) [8]**
 - | | | | 08. Mary GOSSETT (1743-1817)
 - | | | 06. Lydia MORRIS (1791-1848)
 - | | 05. Eliza Jane Louisa HOOVER (1833-1923)
 - | | | 06. **John HOOVER (1807-1888) [6]**
 - | | | 06. Jane CALDWELL (1809-1903)
 - | 04. Jessie Adelle COWLES (1871-1943)
 - | 05. John Theodore COWLES (1832-1891)
 - | 06. Manus Griswold COWLES (1801-1874)
 - | 06. Deborah Amelia DOANE (1805-866)
 - | | 07. Daniel DOANE (1776-1843)
 - | | | 08. Daniel DOANE (1741-1790)
 - | | | | 09. Elnathan DOANE (1709-1803)
 - | | | | 10. Israel DOANE (b 1672)
 - | | | | 10. Ruth FREEMAN (1683-1728)
 - | | | | | 11. Edmund FREEMAN (1657-1717)
 - | | | | | 12. John FREEMAN (1626-1719)
 - | | | | | 12. Mercy PRENCE (1631-1711)
 - | | | | | 13. Thomas PRENCE (1600-1673)
 - | | | | | 13. Patience BREWSTER (1603-1634)
 - | | | | | 14. **William BREWSTER (1566-1644) [2]**
 - | | | | | 14. Mary – (1568-1627)
 - | | | | 11. Ruth MERRICK (1652-1680)
 - | | 09. Martha PADDOCK (b 1715)
 - | 08. Elizabeth MYRICK (1747-1799) (later m FULLER)
 - | 09. Seth MYRICK (1720-1766)
 - | | 10. Joshua MERRICK (1680-1740)
 - | | 10. Lydia MAYO (1694-1735)
 - | | | 11. Thomas MAYO (1650-1729)
 - | | | 12. Nathaniel MAYO (1625-1661)
 - | | | | 13. **John MAYO (1597-1676) [7]**
 - | | | | 13. Thomasine –
 - | | | 12. Hannah PRENCE (1628-1698) (later m SPARROW)
 - | | | 13. Thomas PRENCE (1600-1673)
 - | | | 13. Patience BREWSTER (1603-1634)
 - | | | | 14. **William BREWSTER (1566-1644) [2]**
 - | | | | 14. Mary – (1568-1627)
 - | | | 11. Barbara KNOWLES (1656-1714)
 - | | 09. Elizabeth BROWN (1724-1794) (later m PETERMAN; later m MYRICK)
 - | 07. Esther PENNY (1780-1839)
 - | 08. Amiel PENNEY (1746-1816)
 - | | 09. William PENNY (1716-1786)
 - | | | 10. William PENNY (1690-1754)
 - | | | 10. Hannah GRAY (1692-1754)
 - | | | | 11. William GRAY (1650-1723)
 - | | | | 11. Rebecca DILLINGHAM (1650-1674)

- | | | | |12. John DILLINGHAM (1630-1715)
- | | | | |13. Edward DILLINGHAM (1595-1666)
- | | | | |14. **Henry DILLINGHAM (1558-1625) [3]**
- | | | | |14. Oseth – (1568-1609)
- | | | | |13. Ursula CARTER (1590-1656)
- | | | | |12. Elizabeth FEAKE (1633-1720)
- | | | | |09. Deborah WEEKES (1718-1761)
- | | | | |10. **George WEEKES (1689-1772) [9]**
- | | | | |10. Deborah WING (1687-1726)
- | | | | |11. Ananias WING (1652-1718)
- | | | | |12. John WING (1611-1699)
- | | | | |13. **John WING (1584-1630) [10]**
- | | | | |13. Deborah BACHILER (b 1592)*
- | | | | |14. **Stephen BACHILER (1561-1656) [1]**
- | | | | |14. Ann BATE (1570-1624)
- | | | | |12. Elizabeth DILLINGHAM (1616-1692)
- | | | | |13. Edward DILLINGHAM (1595-1666)
- | | | | |14. **Henry DILLINGHAM (1558-1625) [3]**
- | | | | |14. Oseth – (1568-1609)
- | | | | |13. Ursula CARTER (1590-1656)
- | | | | |11. Hannah TILTON (1663-1730)
- | | | | |08. Hannah HAVILAND (1744-1827)
- | | | | |09. Solomon HAVILAND (1723-1772)
- | | | | |10. Benjamin HAVILAND (1685-1724)
- | | | | |11. **Benjamin HAVILAND (1659-1726) [5]**
- | | | | |11. Abigail MOTT (1660-1720)
- | | | | |10. Charity FARRINGTON (1689-1735) (later m BIRDSALL)
- | | | | |09. Hannah CARPENTER (1713-1743)
- | | | | |05. Mary Jane WALROD (1833-1917)
- | | | | |03. Lydia Priscilla ELLIS (1899-1992)
- | | | | |04. Stephen Henry ELLIS (1852-1917)
- | | | | |05. Hiram A. ELLIS (1818-1880)
- | | | | |05. Lydia CLEVELAND (1816-1878)
- | | | | |06. Benjamin CLEVELAND (1783-1853)
- | | | | |06. Lydia COOPER (1785-1872)
- | | | | |07. Stephen COOPER (1752-1831)
- | | | | |07. Esther EVANS (1754-1818)
- | | | | |08. Edward EVANS
- | | | | |08. Elizabeth EDDY (b 1724)
- | | | | |09. Zachariah EDDY (1691-174–)
- | | | | |10. Zachariah EDDY (1664-1737)
- | | | | |11. Zachariah EDDY (1639-1718)
- | | | | |12. Samuel EDDY (1608-1688)
- | | | | |13. **William EDDYE (1560-1616) [4]**
- | | | | |13. Mary FOSTEN (1568-1611)
- | | | | |12. Elizabeth ROGERS (1608-1689)
- | | | | |11. Alice PADDOCK (1640-1692)
- | | | | |10. Mercy BAKER (1664-1703)
- | | | | |09. Ruth THURSTON (later m INMAN)
- | | | | |04. Christine Olsdatter OLSTAD (1857-1926)

*John WING's wife Deborah was *probably* Deborah BACHILER, the daughter of Stephen BACHILER and Ann BATE.

[1] Stephen BACHILER, b abt 1561, bur 31 Oct 1656. Anglican, Presbyterian. Chaplain to William West, Lord de la Warr, 1586-87; Vicar, Ch. of the Holy Cross & St. Peter of Wherwell (Hampshire) ENGLAND, 1587-1605; Pastor of an independent congregation in Southampton (Hampshire) ENGLAND, 1610 [perhaps longer]; Pastor of an independent congregation in Newton Stacy (Hampshire) ENGLAND, 1614-31; Pastor, 1st Congregational Ch. of Lynn MA, 1632-36; Pastor of an independent congregation in Lynn [Saugus] MA, 1636; Pastor of an independent congregation in Yarmouth [Mattacheese] MA, 1637-38; Pastor of an independent congregation in Newbury MA, 1638-39; Pastor, 1st Congregational Ch. of Hampton NH, 1639-41. Cited in Star Chamber in 1593 for having “uttered in a sermon at Newberry, very lewd speeches tending seditiously to the derogation of Her Majesty’s government.” Ejected from his vicarship in Wherwell in 1605 because of non-conformity and “Calvinistic opinions.” Described in 1632 as

having been “a notorious inconfirmit” during his time in Newton Stacy. Deposed from his pastorate in Hampton in 1641, because he, “being about 80 years of age, and having a lusty comely woman to his wife, did solicit the chastity of his neighbor’s wife.” Returned to England and died there at an advanced age. “A grave, reverend, and a good man.” “Mr. Bachiler was a tall and sinewy man, with prominent features. Especially his nose, a very dark complexion, coarse black hair in his younger days, white in age, mouth large and firm, eyes as black as sloes, features long rather than broad, a strong clear voice, rather slow of motion and speech, simple in dress, obstinate and tenacious of his opinions to a marked degree, a powerful preacher drawing largely from scripture, impressing the hearers with the uncommon power and sanctity of his sermons, strong in his friendships and in his hates.” “Among many remarkable lives lived by early New Englanders, Bachiler’s is the most remarkable. From 1593, when he was cited before Star Chamber, until 1654, when he last makes a mark on New England records, this man lived a completely independent and vigorous life, never acceding to any authority when he thought he was correct. ...Stephen Bachiler was one of the few Puritan ministers active in Elizabethan times to survive to come to New England. As such he was a man out of his times, for Puritanism in Elizabethan times was different from what it became in the following century, and this disjunction may in part account for Bachiler’s stormy career in New England.” “He was the only still-nonconforming veteran of the 1605 campaign for conformity to emigrate.”

[2] William BREWSTER, b abt 1566, d 10 Apr 1644. Congregationalist. Ruling Elder, 1st Congregational Ch. of Plymouth MA, 1620-29; Ruling Elder, 1st Congregational Ch. of Duxbury MA, 1632-37; Chaplain, Plymouth (MA) Military Company. Author. Spiritual leader of the “Pilgrims” in Plymouth Colony. Not an ordained pastor, but functioned as such in many respects, and for several years, until pastors came to the colony. The Plymouth congregation’s “reverend elder, Mr. Brewster, ...was beloved and honored by them, taking great pains in dispensing and teaching the word of God to them.” He was “a man that had done and suffered much for the Lord Jesus and the gospel’s sake, and had borne his part in weal and woe with this poor persecuted church above 36 years in England, Holland and in this wilderness, and done the Lord and them faithful service in his place and calling.”

[3] Henry DILLINGHAM, b abt 1558, d 4 Dec 1625. Anglican. Rector, St. Mary’s Ch. of Cotesbach (Leicestershire) ENGLAND, 1581-1625.

[4] William EDDYE, b abt 1560, d 23 Nov 1616. Anglican. Curate, St. Peter’s Ch. of Thurston (Suffolk) ENGLAND, 1583-86; Curate, St. Dunstan’s Ch. of Cranbrook (Kent) ENGLAND, 1586-87; Curate, All Saints Ch. of Staplehurst (Kent) ENGLAND, 1587-91; Vicar, St. Dunstan’s Ch. of Cranbrook (Kent) ENGLAND, 1591-1616. “He was a gentleman of much method and order in all his movements in the Parish. He was a strict Episcopalian and did very much for his church and parishioners.” “Known as a ‘very methodical gentleman,’ he was deeply committed to the Church of England, described as ‘a strict Episcopalian, judicious in his counsels, humane in his advice, and a reprover of immorality.’”

[5] Benjamin HAVILAND, b 3 Apr 1659, d 31 Jul 1726. Quaker. Preacher in Quaker meetings in Flushing NY and Rye NY. “He became a Friend in Flushing as early as 1701, and was a Minister in that Society.” He was “a ministering Friend of Rye in the county of Westchester.”

[6] John HOOVER, b 3 Apr 1807, d 24 Feb 1888. Methodist. “Rev, John Hoover, an itinerant Methodist minister, led a group of Methodists to Trumbull County, Ohio, by 1855. By 1865 they had left Trumbull County and lived at Cannon City, Rice County, Minnesota.” “Rev. John Hoover...lived in Warren and, then, Venice, Trumbull Co., from 1828 to 1835.” “Methodist Episcopal Revivalist Abolitionist preacher starting in Trumbull County, Ohio; ending in Cannon City, Rice County, Minnesota. ... He served churches in Ohio till emigrating to Minnesota in 1855, at which time he continued as a preacher for the Methodist Episcopal Church in Rice County.” “Reverend John Hoover, a Methodist Episcopal minister, began holding services on the shores of Crystal Lake near Cannon City in the summer of 1855.” The “Cannon City Methodist Protestant Church...began with services and a Sunday School in 1855, started by the Rev. John Hoover. They organized in 1860 and built a church in 1872, then merged with the Congregational Church in 1872.

[7] John MAYO, bp 16 Oct 1597, d 3 May 1676. Congregationalist. Teacher, Congregational Ch. of Barnstable MA, 1640-46; Pastor, Congregational Ch. of Eastham MA, 1646-49; Pastor, 2nd Congregational Ch. of Boston MA, 1655-73. A “pious and learned minister.” “He was a blessing to his people.” “The Eastham people...and the pastor made friends with the Nausett Indians, as at Barnstable, where with Mr. [Joseph] Hull and Mr. [John] Lathrop, Mr. Mayo also had endeavored to Christianize and improve the aborigines.”

[8] Morgan MORGAN, b 3 Mar 1737, d 20 Oct 1797. Anglican. Lay Reader in Berkeley County VA (now WV). “Morgan Morgan...served his fellow-citizens in various public capacities. He officiated as clerk for the

successive rectors of the parish, and as lay reader when there was no rector. He was the friend of the needy, and the comforter of the afflicted. Was any one sick with so contagious a disorder that their neighbours fled from them with alarm, Morgan Morgan was ready to attend their house of suffering, and to watch over their bed. In public ministrations, he officiated chiefly in his immediate neighbourhood, until within a few years of the close of his life, when, in consequence of the destitute state of the country generally, he was often called far from home to perform the religious duties proper for a layman. At length, from the frequency of those calls, he gave himself entirely to the work of a labourer in the vineyard. While the Church to which he belonged exists in this land, his labours will be remembered with gratitude. In a dark day, when desolation and death seemed brooding over her interests, he commenced a career of active exertion, which revived the attachment of her friends and kept her from descending to the dust. Though encumbered with the weight of years, and but a layman, he, by constant exhortation and incessant labours of love, through the blessing of God, impressed the minds of many of the young with the truths of the Gospel, and revived the spirit of piety generally in the land. Through Jefferson and Berkeley, and part of Frederick, Hampshire, and Maryland, his labours extended. He visited alike the mansions of the rich and the cottages of the poor, everywhere acting in the spirit of a crucified Master. To the prosperous he was the messenger of warning, to the afflicted, of consolation. Many are there now living, who can testify to his faithfulness; many are there, we trust, in heaven, who have hailed him as their spiritual father. His course through this country may be traced by the fruits of his labour, fruits that still arise to call him blessed. He died, as he had lived, in the faith of his Redeemer, He was buried at the Mill Creek Church, which was named, after him, 'Morgan's Chapel.' ...the sermons which he used as lay reader...are faithful, and deeply experimental. He had evidently compiled some of them from various authors, and adapted them to the occasions on which they were preached. By the notes on the outside leaf, they appear to have been preached at funerals, in private houses, on thanksgiving-days, on the first opening of Morgan's Chapel, and other special subjects. ... So well calculated was he for the ministry, and so esteemed by the people whom he served, that they united in a letter of recommendation to some Bishop, ...begging that he might be ordained as their pastor, notwithstanding his deficiency in human learning. ... His age, infirmities, and the distance to be traveled, prevented his application. The effect of his example and ministrations has been felt to this day..."

[9] George WEEKES, b 20 Mar 1689, d 9 Apr 1772. Congregationalist. "He was dismissed from the Old South Church, Boston, March 27, 1720, and joined the church at Harwich, 'North Side,' (now Brewster,) then under the care of Rev. Nathaniel Stone. He afterward removed to the south part of the town, ...where he carried on a farm. He was not 'liberally' educated, but was well versed in the theological books of the day, and was very familiar with the Scriptures. In 1730, though not 'ordained' by human hands, he commenced preaching to the Indians, who were located toward the south shore, and far removed from the meetinghouse, which was on the north side of the parish of twenty-three square miles. Mr. Weekes built a house of worship for the Indians, at his own expense. Notwithstanding these facts, the pastor, Mr. Stone, objected, but does not appear to have insisted on a discontinuance. Learning, however, that Mr. Weekes had on one or more occasions preached to some of his white neighbors, ...Mr. Stone evidently thought that the dignity and importance of his office were at stake, and wrote to the 'offender' a letter of admonition, in which he 'minded him of the case of Uzza and Uzziah, who ventured on what belonged only to the priests.' He also afterwards complained to the church in regard to the matter, taking these among other grounds: that 'the commission in Matt. 28:19 cannot be given to people in common, but to some distinguished qualified persons'; that Mr. Weekes had 'no more if so much as early common education'; that 'the making of the ministers of the lowest of the people is in [the] scriptures disallowed'; that he had 'thrust himself into the ministry'; that he had 'preached to a people of whom I have the pastoral charge, without my leave, and against my declared mind'; that if one may preach to a part of 'my flock,' another may preach to another part, and 'what then becomes of the pastoral office?' 'yea, where is any flock for me to feed?' There does not appear to have been any charge of want of orthodoxy, or of any attempt to injure the influence of the pastor, or to keep any of 'the flock' from the regular ministrations of the pastor. ... Some years later, Mr. Weekes seems to have taken pity upon an unfortunate woman, – probably more sinned against than sinning, – and taken her with her child into his own house, giving her shelter and employment, and treating her kindly. Some took offense at this, and would not come to the Lord's table with him; in view of which state of feeling he absented himself from the communion, presumably in order not to keep others away. On being called to account for his absence, he made explanations which were accepted by the church as in a measure satisfactory; but at the same time he was advised 'to dismiss the woman' from his house, and to 'avoid her conversation as much as is convenient, or at least inform us of your reasons which prevent you from doing this if you think proper.' There seems to have been no charge against him of any impropriety... He, a plain unassuming man, was far in advance of his time in his ideas of the duties and privileges which belong to each member of Christ's flock; and he appears to have possessed more of the spirit of his Master than did some of those who found fault with him. The fault found with him by the minister and others, for doing what he considered his Christian duty and privilege, in regard to both matters, was no doubt a principal cause of

the clouding of his mind in the latter part of his life, which led to aimless wanderings about the country. He died from exposure to cold in the low ground south of Harwich Academy, ...— being then over eighty years old.” “It is the glory of Cape Cod that the early settlers lived in peace with the Indians; and...made early efforts for their conversion to Christianity. Contemporary with Eliot, ...and the Mayhews, ...and Richard Bourne, ...and Samuel Treat, ...were other good men who bore a part in these labors... Among these was George Weekes. He was not liberally educated, but well read in the theological books of his day... He probably pursued the vocation of a farmer while he instructed his red brethren, who yet lingered in considerable numbers in the town. The Indian meeting-house stood near the Long Pond. Here he taught his dusky congregation how to worship aright the Great Spirit, whom they already worshipped according to the dim light of Nature.” Author.

[10] John WING, bp 12 Jan 1584, d 1630. Anglican, Presbyterian. Rector, St. Nicholas's Ch. of Strood (Kent) ENGLAND, 1608-14; Minister, Sandwich (Kent) ENGLAND; Chaplain to the English Merchant Adventurers in Hamburg GERMANY, 1617-20; Pastor, English Chs. of Flushing & Middleburg (Zealand) NETHERLANDS, 1620-27; Pastor, English Ch. of The Hague NETHERLANDS, 1627-29. Author. At the time of his death he was preparing to emigrate to New England, which his widow and children did then do. “A pious man, and edifying preacher.” “A man of strong spirituality, classic learning, masterful character, ready wit, fierce invective, a facile pen and a ready tongue.”

Philip Mark Leyrer's Descent from Ministers of the Gospel

Remember those who led you, who spoke the word of God to you; and considering the result of their conduct, imitate their faith. Jesus Christ is the same yesterday and today and forever. Do not be carried away by varied and strange teachings... (Hebrews 13:7-9, NASB)

- 01. Philip Mark LEYRER (m Beth Ellen WESSEL)
 - | 02. **Carl Simon LEYRER (1919-2012) [6]**
 - | | 03. **Carl Gottlieb LEYRER (1878-1972) [5]**
 - | | 03. Mary Ida BAUR (1881-1961)
 - | 02. Leah Corinne SEIDENSTICKER (1925-2020)
 - | | 03. **Walter August SEIDENSTICKER (1895-1969) [7]**
 - | | 03. Olga Veronika HRBACEK (1898-2000)
 - | | | 04. Paul HRBACEK (1868-1930)
 - | | | 04. Ida Valeska MANSKE (1871-1954)
 - | | | | 05. (Heinrich) Louis MANSKE (1841-1931)
 - | | | | 05. Antonie KYPKE (1843-1911)
 - | | | | | 06. Hermann August KYPKE (1812-1894)
 - | | | | | | 07. **Heinrich August KYPKE (1776-1844) [4]**
 - | | | | | | 08. **Christlieb KYPKE (1728-1794) [3]**
 - | | | | | | | 09. **Georg Christian KIEPEKE (1680-1746) [1]**
 - | | | | | | | 10. **David KIEPEKE (1639-1714) [2]**
 - | | | | | | | 10. Dorothea SCHLACKE
 - | | | | | | | 09. (Anna) Catharina VOLCKMAR (d 1744)
 - | | | | | | | 10. **Christian VOLCKMAR [8]**
 - | | | | | | | 10. -- (name unk)
 - | | | | | 08. Dorothea Christine HÖPFNER
 - | | | | 07. -- WIEBEKING
 - | | | 08. **(Johann) Christian WIEBEKING [9]**
 - | | 08. -- (name unk)
 - | 06-63. Pauline Emilie WITTE (1819-1887)

[1] George Christian KIEPEKE / KIEPEKE, b 8 Feb 1680, d 21 Oct 1746. Lutheran. Pastor, Bełczna POLAND (Neukirchen POMERANIA), 1714-1746.

[2] David KIEPEKE, b 1639, d 27 Jun 1714. Lutheran. Pastor, Bełczna POLAND (Neukirchen POMERANIA), 1670-1714.

[3] Christlieb KYPKE / KIEPEKE, b 9 Sep 1728, d 12 Jun 1794. Lutheran. Pastor, Lubno POLAND (Lüben [West Prussia] PRUSSIA), 1757-1794.

[4] Heinrich August KYPKE, b 24 Apr 1776, d 24 Jul 1844. Lutheran. Governor, Royal Corps of Cadets House of Słupsk POLAND (Stolp [Pomerania] PRUSSIA), 1797-1803; Assistant Pastor, Baszewice POLAND (Batzwitz [Pomerania] PRUSSIA), 1803; Pastor, Baszewice POLAND (Batzwitz [Pomerania] PRUSSIA), 1803-1827; Assistant Pastor, Smółdzino POLAND (Schmolsin [Pomerania] PRUSSIA), 1817; Pastor, Smółdzino POLAND (Schmolsin [Pomerania] PRUSSIA), 1817-1832.

[5] Carl Gottlieb LEYRER, b 2 May 1878, d 1 Sep 1972. Lutheran. Pastor, St. Paul's Lutheran Ch. of Hopkins MI, 1904-20; Pastor, Zion Ev. Lutheran Ch. of Lansing MI, 1920-27; Pastor, Grace Lutheran Ch. of St. Louis MI, 1927-55. "During his 17 years at Hopkins, he also served congregations at Dorr [St. Peter's] and Salem."

[6] Carl Simon LEYRER, b 11 Jul 1919, d 1 Sep 2012. Lutheran. Missionary at Large, Christ Lutheran Ch. of Big Bend WI, 1945-53; Pastor, Our Savior's Lutheran Ch. of Zion IL, 1953-59; Dean of Students, Northwestern College of Watertown WI, 1959-68; Pastor, St. Lucas Lutheran Ch. of Milwaukee WI, 1968-89.

[7] Walter August SEIDENSTICKER, b 19 Apr 1895, d 25 Aug 1969. Lutheran. Mission Pastor in OK (place unknown), 1919-20; Mission Pastor in Walsh AB, 1920-23; Pastor, St. John Lutheran Ch. of

Lawton OK, 1923-29; Pastor, Our Redeemer Lutheran Ch. of Cushing OK, 1929-?; Pastor, St. John's Lutheran Ch. of Ashippun / Oconomowoc WI, 1940-54 [perhaps longer]; Assistant Director of Public Relations, Bethesda Lutheran Home of Watertown WI, 1957-60 [perhaps longer].

[8] Christian VOLCKMAR, Lutheran. Pastor, St. Elisabeth's Ch. of Trzyglów POLAND (Trieglaff POMERANIA), 1684-1715.

[9] (Johann) Christian WIEBEKING, Lutheran. Pastor, Baszewice POLAND (Batzwitz [Pomerania] PRUSSIA). Pastor in Batzwitz in the 1780s & 1790s.

Beth Ellen Wessel's Descent from Ministers of the Gospel

Remember those who led you, who spoke the word of God to you; and considering the result of their conduct, imitate their faith. Jesus Christ is the same yesterday and today and forever. Do not be carried away by varied and strange teachings... (Hebrews 13:7-9, NASB)

- 01. Beth Ellen WESSEL [m Philip Mark LEYRER]
 - |02. Howard Leslie WESSEL (1933-2017)
 - |02. Lucille Dorothy Ellen CARMICHAEL
 - |03. Charles Simon Sommerville Stubbs CARMICHAEL (1878-1958)
 - |03. Alvina Margaret DUNLAP (1904-1970)
 - |04. William Pitt DUNLAP (1880-1910)
 - | |05. James DUNLAP (1842-1892)
 - | |06. William DUNLAP (1810-1865)
 - | | |07. **William DUNLOP (1770-1832) [1]**
 - | | |07. Jean SLATER (1772-1842)
 - | |06. Polly SHUMWAY (1812-1889)
 - | | |07. Joel SHUMWAY (1782-1851)
 - | | | |08. Levi SHUMWAY (1752-1835)
 - | | | |09. Levi SHUMWAY (1727-1772)
 - | | | |09. Priscilla GLEASON (1731-1776)
 - | | | |10. Thomas GLEASON (1669-1732)
 - | | | |11. Thomas GLEASON (1638-1705)
 - | | | |11. Sarah STREETER (1643-1703)*
 - | | | |12. Stephen STREETER (1600-1652)
 - | | | |12. Ursula ADAMS (1619-1679) (later m HOSIER; later m ROBINSON; later m CRAFTS)
 - | | | |13. Henry ADAMS (1583-1646)
 - | | | |13. Edith SQUIRE (1587-1673) (later m FUSSELL)
 - | | | |14. Henry SQUIRE (b 1563)
 - | | | | |15. **William SQUIRE (b 1501) [2]**
 - | | | | |15. Alice SKARLETT (b 1530)
 - | | | | |14. -- (name unk)
 - | | | |10. Mercy HOVEY (1698-1767)
 - | | | |08. Chloe BELKNAP (1757-1847)
 - | | | |07. Jemima TAINTER (1779-1824)
 - | |05. Margaret Ellen McGOWAN (1846-1911)
 - |04. Ellen Otine SIMONSON (1875-1952)

*Thomas GLEASON's wife Sarah was *probably* Sarah STREETER, the daughter of Stephen STREETER and Ursula ADAMS.

[1] William DUNLOP, b abt 1770, d 5 May 1832. Baptist. Pastor of a Baptist congregation in Bridge of Weir (Ayrshire) SCOTLAND; Pastor, 1st Baptist Ch. of Watertown NY, 1823-30 [perhaps longer].

[2] William SQUIRE, b 1501. Anglican. Rector, Ch. of St. Peter & St. Paul of Charlton Mackrell (Somerset) ENGLAND, 1541-54; Rector, St. Thomas's Ch. of Cricket St. Thomas (Somerset) ENGLAND, 1559-64. "He refused to divorce his wife...under a 1553 declaration during reign of 'Bloody Mary' and...was deprived of benefice 10 Apr. 1554 for his refusal." Upon the accession of Queen Elizabeth he returned to the ministry in another parish, but was deprived of his living there on 13 July 1564. A reason is not given, but this was at a time when clergy who refused to accept the Elizabethan Settlement (both ardent Catholics and uncompromising Puritans) were being removed from office.

Erik John Soule's Descent from Ministers of the Gospel

Remember those who led you, who spoke the word of God to you; and considering the result of their conduct, imitate their faith. Jesus Christ is the same yesterday and today and forever. Do not be carried away by varied and strange teachings... (Hebrews 13:7-9, NASB)

- 01. Erik John SOULE [m Lori Jean SIMONSON]
 - | 02. Robert Wesley SOULE (1927-2025)
 - | | 03. (Walter) Juddson SOULE (1902-1983)
 - | | | 04. Oscar Albertus SOULE (1871-1956)
 - | | | | 05. Ara James SOULE (1838-1916)
 - | | | | | 06. **William SOULE (1803-1864) [5]**
 - | | | | | 06. Rebecca HARDY (1804-1874)
 - | | | | | 07. Jesse HARDY (1777-1846)
 - | | | | | 07. Bridget REED (1780-1862)
 - | | | | | 08. John REED (1755-1811)
 - | | | | | 08. Rachel CLARK (1760-1845)
 - | | | | | 09. Ebenezer CLARK (b 1722)
 - | | | | | | 10. Benjamin CLARK (1692-1754)
 - | | | | | | | 11. Joseph CLARK (1650-1708)
 - | | | | | | | 12. Thomas CLARK (1629-1651)
 - | | | | | | | 12. Abigail COGSWELL (1630-1728)
 - | | | | | | | 13. John COGSWELL (1592-1669)
 - | | | | | | | 13. Elizabeth THOMPSON (1594-1676)
 - | | | | | | | 14. **William THOMPSON (1576-1623) [6]**
 - | | | | | | | 14. Phillis ROCKWELL (1578-1608)
 - | | | | | | | 11. Damaris FRANCIS (1650-1728)
 - | | | | | | | 10. Mary NILES (1692-1752)
 - | | | | | | | 09. Abigail AGER (b 1727)
 - | | | 05. Prudence Ann BRIGGS (1840-1921)
 - | | | | 06. Calvin BRIGGS (1806-1887)
 - | | | | 07. Araunah BRIGGS (1770-1849)
 - | | | | 07. Lydia GODFREY (1774-1861)
 - | | | | 08. Richard GODFREY (1734-1818)
 - | | | | 08. Sarah WILLIAMS (1740-1820)
 - | | | | | 09. George WILLIAMS (1717-1803)
 - | | | | | | 10. Richard WILLIAMS (1689-1727)
 - | | | | | | 11. Joseph WILLIAMS (1640-1692)
 - | | | | | | 12. Richard WILLIAMS (1607-1693)
 - | | | | | | 12. Frances DEIGHTON (1607-1705)
 - | | | | | | 13. John DEIGHTON (1568-1640)
 - | | | | | | 13. Jane BASSETT (1585-1631)
 - | | | | | | 14. Edward BASSETT (1558-1602)
 - | | | | | | 14. Elizabeth LYGON (1562-1610)
 - | | | | | | 15. Henry LYGON (1514-1577)
 - | | | | | | 15. Elizabeth BERKELEY (1528-1615)
 - | | | | | | 16. John BERKELEY (1506-1546)
 - | | | | | | 16. Isabel DENNIS (1509-1572) (later m PORTER)
 - | | | | | | 17. William DENNIS (1470-1533)
 - | | | | | | 18. Walter DENNIS (1437-1503)
 - | | | | | | 19. Morris DENNIS (1410-1503)
 - | | | | | | 19. Johanna STRADLING (1412-1437)
 - | | | | | | 20. Edward STRADLING (1389-1452)
 - | | | | | | 20. Jane BEAUFORT (1390-1479)
 - | | | | | | 21. **Henry BEAUFORT (1374-1447) [2]**
 - | | | | | | 21. -- (name unk) (not m to BEAUFORT)
 - | | | | | | 18. Agnes DANVERS (b 1445)
 - | | | | | | 17. Anne BERKELEY (b 1474)
 - | | | | | | 11. Elizabeth WATSON (1647-1723)
 - | | | | | | 10. Anna WILBORE (1692-1762)
 - | | | 09. Sarah HODGES (1715-1797)

- | | | | | 06. Lydia PETTINGILL (1813-1890)
- | | | | | 04. Lizzy Allen SHAW (1874-1968)
- | | | | | 05. (Benjamin) Franklin SHAW (1842-1918)
- | | | | | 06. Abraham S. SHAW (1813-1892)
- | | | | | 06. Martha ("Patty") NASON (1812-1888)
- | | | | | 07. William NASON (1770-1837)
- | | | | | 07. Betsey BURNELL (1772-1859)
- | | | | | 08. John BURNELL (1717-1804)
- | | | | | 08. Elizabeth FREEMAN (1738-1827)
- | | | | | 09. Jonathan FREEMAN (1710-1779)
- | | | | | 10. Constant FREEMAN (1669-1745)
- | | | | | 10. Jane TREAT (1675-1729)
- | | | | | 11. **Samuel TREAT (1648-1717) [7]**
- | | | | | 11. Elizabeth MAYO (1653-1696)
- | | | | | 12. Samuel MAYO (1620-1663)
- | | | | | 13. **John MAYO (1597-1676) [3]**
- | | | | | 13. Thomasine –
- | | | | | 12. Thomasine LUMPKIN (1626-1709) (later m SUNDERLAND)
- | | | | | 09. Rebecca BINNEY (1710-1764)
- | | | | | 10. Samuel BINNEY (1681-1724)
- | | | | | 10. Rebecca VICKERY (1690-1714)
- | | | | | 11. **Jonathan VICKERY (1648-1702) [8]**
- | | | | | 11. Elizabeth HUDSON (1662-1706)
- | | | | | 05. Anna Tileston LUFKIN (1848-1929) (prev m CARROLL)
- | | | | | 06. Jacob Butler LUFKIN (1807-1871)
- | | | | | 07. Jacob Butler LUFKIN (1778-1848)
- | | | | | 08. Nathaniel LUFKIN (1755-1838)
- | | | | | 09. Nathaniel LUFKIN (1728-1810)
- | | | | | 10. Thomas LUFKIN (1695-1747)
- | | | | | 10. Rachel RIGGS (1704-1779) (later m CHOATE)
- | | | | | 11. John RIGGS (1669-1748)
- | | | | | 12. Thomas RIGGS (1633-1722)
- | | | | | 12. Mary MILLETT (1639-1695)
- | | | | | 13. **Thomas MILLETT (1604-1676) [4]**
- | | | | | 13. Mary GREENAWAY (1606-1682)
- | | | | | 11. Ruth WHEELER (1671-1732)
- | | | | | 09. Lydia STOREY (1729-1822)
- | | | | | 08. Mary BUTLER (b 1754)
- | | | | | 07. Elizabeth LUDDEN (1781-1860)
- | | | | | 08. Joseph LUDDEN (1753-1829)
- | | | | | 08. Sarah BROWN (1754-1826)
- | | | | | 09. Jacob BROWN (1720-1792)
- | | | | | 09. Lydia WEARE (1726-1816)
- | | | | | 10. Peter WEARE (1695-1743)
- | | | | | 11. Nathaniel WEARE (1669-1775)
- | | | | | 11. Huldah HUSSEY (1670-1701)
- | | | | | 12. John HUSSEY (1636-1707)
- | | | | | 13. Christopher HUSSEY (1599-1686)
- | | | | | 13. Theodate BACHILER (1603-1649)
- | | | | | 14. **Stephen BACHILER (1561-1656) [1]**
- | | | | | 14. Ann BATE (1570-1624)
- | | | | | 12. Rebecca PERKINS (1642-1707)
- | | | | | 10. Sarah FELT (1701-1768)
- | | | | | 06. Lydia Brown BASTON (1810-1902)
- | | | | | 07. Winthrop BASTON (1739-1817)
- | | | | | 07. Hannah LUDDEN (1776-1859)
- | | | | | 08. Joseph LUDDEN (1753-1829)
- | | | | | 08. Sarah BROWN (1754-1826)
- | | | | | 09. Jacob BROWN (1720-1792)
- | | | | | 09. Lydia WEARE (1726-1816)
- | | | | | 10. Peter WEARE (1695-1743)
- | | | | | 11. Nathaniel WEARE (1669-1775)
- | | | | | 11. Huldah HUSSEY (1670-1701)
- | | | | | 12. John HUSSEY (1635-1707)
- | | | | | 13. Christopher HUSSEY (1599-1686)
- | | | | | 13. Theodate BACHILER (1603-1649)

- | | | | | |
|--|--|--|--|--------------------------------------|
| | | | | 14. Stephen BACHILER (1561-1656) [1] |
| | | | | 14. Ann BATE (1570-1624) |
| | | | | 12. Rebecca PERKINS (1642-1707) |
| | | | | 10. Sarah FELT (1701-1768) |
| | | | | 03. Luella Georgia WOLD (1903-1993) |
| | | | | 02. Madelyn HAFLIGER |

[1] Stephen BACHILER, b abt 1561, bur 31 Oct 1656. Anglican, Presbyterian. Chaplain to William West, Lord de la Warr, 1586-87; Vicar, Ch. of the Holy Cross & St. Peter of Wherwell (Hampshire) ENGLAND, 1587-1605; Pastor of an independent congregation in Southampton (Hampshire) ENGLAND, 1610 [perhaps longer]; Pastor of an independent congregation in Newton Stacy (Hampshire) ENGLAND, 1614-31; Pastor, 1st Congregational Ch. of Lynn MA, 1632-36; Pastor of an independent congregation in Lynn [Saugus] MA, 1636; Pastor of an independent congregation in Yarmouth [Mattacheese] MA, 1637-38; Pastor of an independent congregation in Newbury MA, 1638-39; Pastor, 1st Congregational Ch. of Hampton NH, 1639-41. Cited in Star Chamber in 1593 for having "uttered in a sermon at Newberry, very lewd speeches tending seditiously to the derogation of Her Majesty's government." Ejected from his vicarship in Wherwell in 1605 because of non-conformity and "Calvinistic opinions." Described in 1632 as having been "a notorious inconfornist" during his time in Newton Stacy. Deposed from his pastorate in Hampton in 1641, because he, "being about 80 years of age, and having a lusty comely woman to his wife, did solicit the chastity of his neighbor's wife." Returned to England and died there at an advanced age. "A grave, reverend, and a good man." "Mr. Bachiler was a tall and sinewy man, with prominent features. Especially his nose, a very dark complexion, coarse black hair in his younger days, white in age, mouth large and firm, eyes as black as sloes, features long rather than broad, a strong clear voice, rather slow of motion and speech, simple in dress, obstinate and tenacious of his opinions to a marked degree, a powerful preacher drawing largely from scripture, impressing the hearers with the uncommon power and sanctity of his sermons, strong in his friendships and in his hates." "Among many remarkable lives lived by early New Englanders, Bachiler's is the most remarkable. From 1593, when he was cited before Star Chamber, until 1654, when he last makes a mark on New England records, this man lived a completely independent and vigorous life, never acceding to any authority when he thought he was correct. ...Stephen Bachiler was one of the few Puritan ministers active in Elizabethan times to survive to come to New England. As such he was a man out of his times, for Puritanism in Elizabethan times was different from what it became in the following century, and this disjunction may in part account for Bachiler's stormy career in New England." "He was the only still-nonconforming veteran of the 1605 campaign for conformity to emigrate."

[2] Henry BEAUFORT, b abt 1374, d 11 Apr 1447. Roman Catholic. Canon of Lincoln, 1389; Canon of York, 1390; Dean of Wells, 1397-98; Canon of Salisbury, 1397; Chancellor of Oxford University, 1397-99; Bishop of Lincoln, 1398-1404; Lord Chancellor of England, 1403-05, 1413-17, 1424-26; Cardinal Bishop of Winchester, 1404-47; Cardinal-Priest of the Titular Church of St. Eusebius in Rome (commonly called Cardinal of England), 1426-47; Papal Legate for Germany, Hungary, and Bohemia, 1426-27, when he was "entrusted with the management of crusading efforts against the Hussites"; Privy Councillor. "...for virtually half a century he had been at the centre of English political, diplomatic and ecclesiastical life. ...he was first offered a Cardinal's hat in December 1417 by Pope Martin V in recognition of the part he had played in resolving the Great Schism and Papal vacancy. Forced to decline the honour by King Henry V he finally received the red hat in 1426, after the death of the King." "In 1417 he participated in the council of Constance, where he engineered the election of Pope Martin V." "Beaufort was arrogant, self-serving, and greedy to the point of rapacity, but his political and financial acumen were unrivaled in the England of his time." Henry Beaufort was a son of John of Gaunt and a grandson of Edward III, King of England. Descent from him is traced through a daughter conceived out of wedlock while he was a teenager, before his ordination, but "there is no trace of licentiousness in his later days," and "no imputation of the kind was ever cast upon his life as an ecclesiastic."

[3] John MAYO, bp 16 Oct 1597, d 3 May 1676. Congregationalist. Teacher, Congregational Ch. of Barnstable MA, 1640-46; Pastor, Congregational Ch. of Eastham MA, 1646-49; Pastor, 2nd Congregational Ch. of Boston MA, 1655-73. A "pious and learned minister." "He was a blessing to his people." "The Eastham people...and the pastor made friends with the Nausett Indians, as at Barnstable, where with Mr. [Joseph] Hull and Mr. [John] Lathrop, Mr. Mayo also had endeavored to Christianize and improve the aborigines."

[4] Thomas MILLETT, bp 24 Oct 1604, d 1675. Congregationalist. Teaching Elder, Congregational Ch. of Gloucester MA, 1655-1659; Preacher at Brookfield MA, 1674-1675. He "was not an ordained minister," although "Court records furnish information that he was engaged in the work of the ministry."

[5] William SOULE, b 7 Oct 1803, d 1 Jul 1864. Baptist. "He was a Baptist minister of unblemished character and his ability as a preacher above mediocrity. He served in the towns of Phillips, Weld,

Monmouth, Leeds, Wayne, and Andover, and was highly esteemed wherever he lived and preached. In 1854 his health failed, and bronchial trouble prevented him from attending to pastoral labors. He then opened a store in Phillips village, residing there, and held both school and town offices till his death." (All of these towns are in Maine.)

[6] William THOMPSON, bp 25 Dec 1576, bur 29 Jul 1623. Anglican. Vicar, All Saints' Ch. of Westbury (Wiltshire) ENGLAND, 1603-1623.

[7] Samuel TREAT, bp 3 Sep 1648, d 18 Mar 1717. Congregational. Supply Preacher, Congregational Ch. [later 1st Presbyterian Ch.] of Woodbridge NJ, 1670-71; Pastor, Congregational Ch. of Eastham MA, 1673-1717; Missionary to Nauset Indians. Author. "His voice was so loud that when speaking it could be heard at a great distance from the meetinghouse, even in the midst of the winds that howled over the plains of Nauset." "Treat set about learning the Indian language soon after his arrival in Eastham, and came eventually to preach to the Indians in it. In a report to Increase Mather in 1693, Treat noted there were 505 adult Indians in Eastham and that he did not know of any who purposefully rejected Christianity. He mentioned that his charges not only attended regular services but also kept the colony's special days of fast and thanksgiving. ... Treat's Indians lived in four villages, each with its own schoolmaster and religious teacher. The schoolmaster taught reading and writing in the Indian language, and the teacher preached to the Indians from sermons prepared by Treat, with whom they met regularly for instruction. ... Treat had great praise for the Indians he supervised, and maintained many of them desired baptism and the formation of a congregation." "Once in a month he preached in the several villages. ... In addition to these weekly talks, he was at the pains to translate the Confession of Faith into the Nauset language, for the edification of his converts. ... As he conceived that it would not be in his power to make much impression on the minds of the Indians, unless he gained their good will, he exerted himself to secure their affections. Beside treating them on all occasions with affability and kindness, he frequently visited them at their wigwams, and with cheerfulness joined in their festivals. The consequence was, that the Indians, won by his engaging manners, venerated him as a pastor, and loved him as a father. ... Mr. Treat...was a Calvinist: but his Calvinism was of the strictest kind... The fact is established beyond all dispute by a volume of his sermons in manuscript... These sermons are connected in their subjects, ...and appear to have been designed for publication. They display learning; and the doctrines of his sect are defended with ability and ingenuity. ... These sermons are distinguished by their tremendous applications... ...in his first discourse he professes to 'preach comfort and joy to the penitent, as well as hell and damnation to the impenitent'... The effect of his preaching was, that his hearers were, several times in the course of his ministry, awakened and alarmed. - That they were a holy and godly people, he himself testified; and he doubtless rejoiced in the persuasion, that he had been the happy instrument of their conversion. ... Mr. Treat was a man of piety. He addressed his Maker with humble devotion, and his prayers were copious and fervent. His natural temper was mild; and his conduct in domestick life, as a husband, a parent, and a master, was kind and indulgent. His manners were cheerful; his conversation pleasant, and sometimes facetious, but always decent. He was fond of a stroke of humour and a practical joke, and manifested his relish for them by long and loud fits of laughter." "He died soon after the remarkable storm, distinguished in the annals of New England by the name of the Great Snow. The wind blew with violence; and whilst the grounds around his house were left entirely bare, the snow was heaped up in the road to an uncommon height. It was in vain to attempt making a path. His body therefore was kept several days, till an arch could be dug, through which he was borne to the grave, the Indians, at their earnest request, being permitted in turn to carry the corpse, and thus to pay the last tribute of respect to the remains of their beloved pastor." His epitaph in Eastham read: "Here lyes interred ye body of ye late learned and revd. Mr. Samuel Treat, ye pious and faithful pastor of this church, who after a very zealous discharge of his ministry for ye space of 45 years, & a laborious travel for ye souls of ye Indian natives, fell asleep in Christ, March ye 18, 1716/17, in ye 69 year of his age."

[8] Jonathan VICKERY, b abt 1648, d 30 Apr 1702. Congregational. Lay Preacher, Congregational Ch. of Chatham MA, 1699-1702. "Mr. Vickery...was a layman, a fisherman by vocation, not an ordained minister, but possessing unusual gifts of mind and spirit. The village gave him a piece of land on which to build and helped him to erect a dwelling for his family." "Mr. Jonathan Vickery appears to have settled in Chatham in 1697. ... He was not an educated man nor an ordained minister, but a lay preacher." "On April 30, 1702, Mr. Vickery went out in an open boat with a party of villagers, probably on a fishing or whaling trip. The boat, in some way, was overturned and all were drowned. Mr. Vickery left a widow and seven children..."

ADDENDUM:

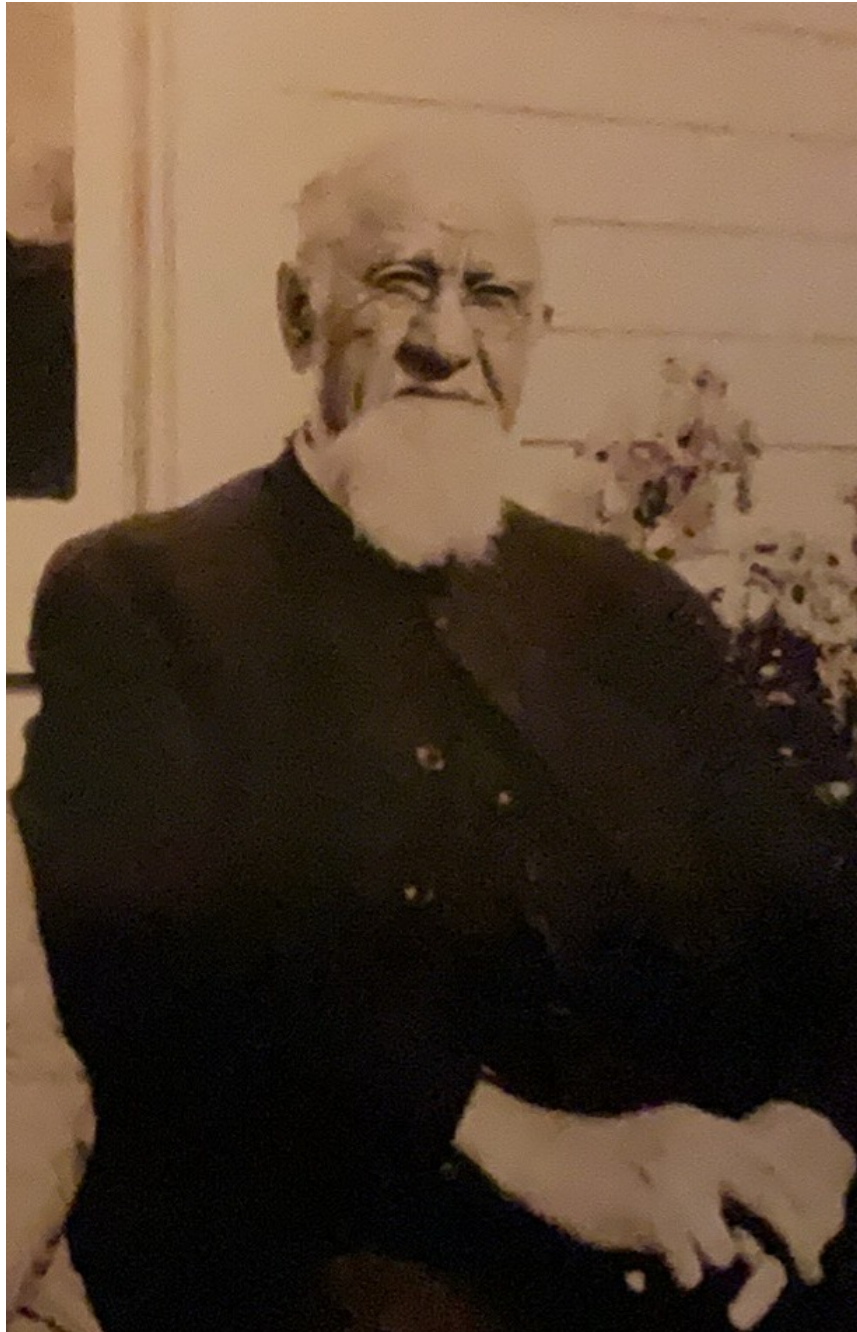
Andrew Paul SOULE [son of Erik John SOULE and Lori Jean SIMONSON]. Lutheran. Pastor, Our Savior's & Rock Dell Lutheran Chs. of Belview MN, 2016-2023; Pastor, Mount Olive Lutheran Church of Mankato MN, 2023-present.



Edward Bulkeley



Joseph Hull
(possible identification)



Henry Landis Shelly

Ætatis suæ 74



Vera Effigies RICH.^d BERNARD, vigilantis-
simi Pastoris de Batcombe Somset. A. 1641.

W. Hollar. Bohem, ad vivum del. Londini.

Richard Bernard



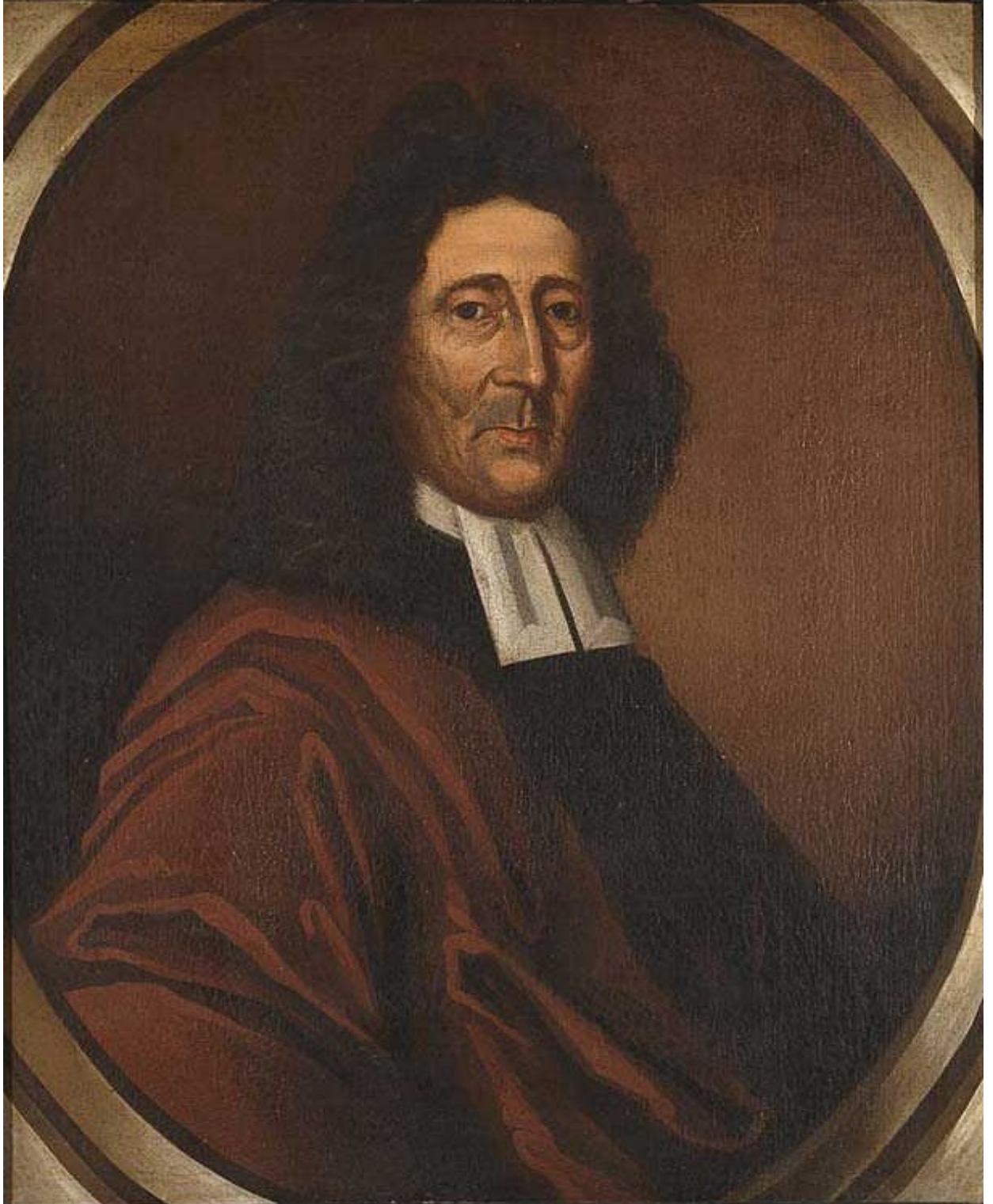
Carl Gottlieb Leyrer



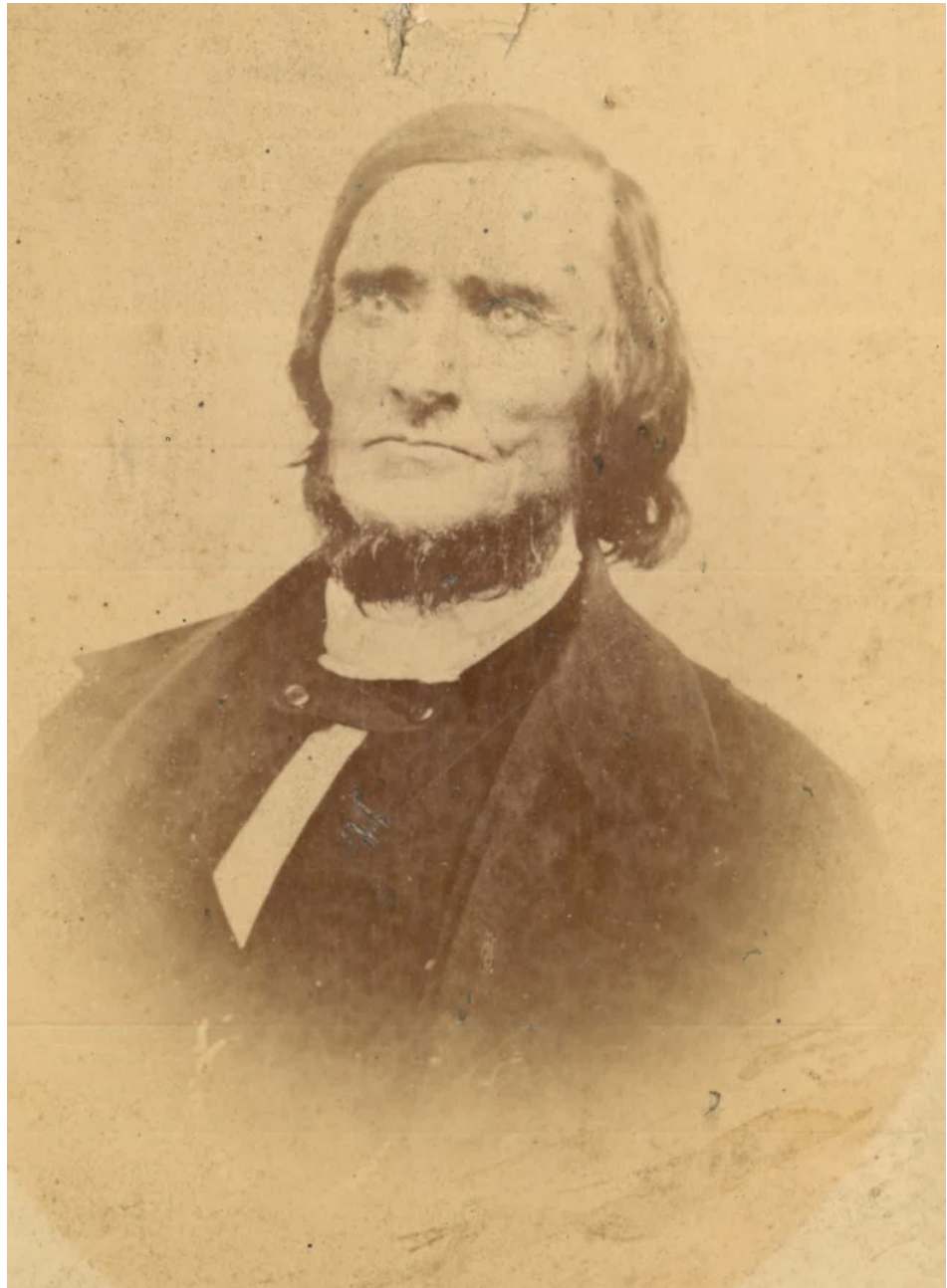
Walter August Seidensticker



Carl Simon Leyrer



Samuel Treat



William Soule
(probable identification)



William Soule
(probable identification)



Henry Beaufort



Yale College Commencement at New Haven, Connecticut, with Rector
Pro Tempore Samuel Andrew at the Head of the Procession, 1718



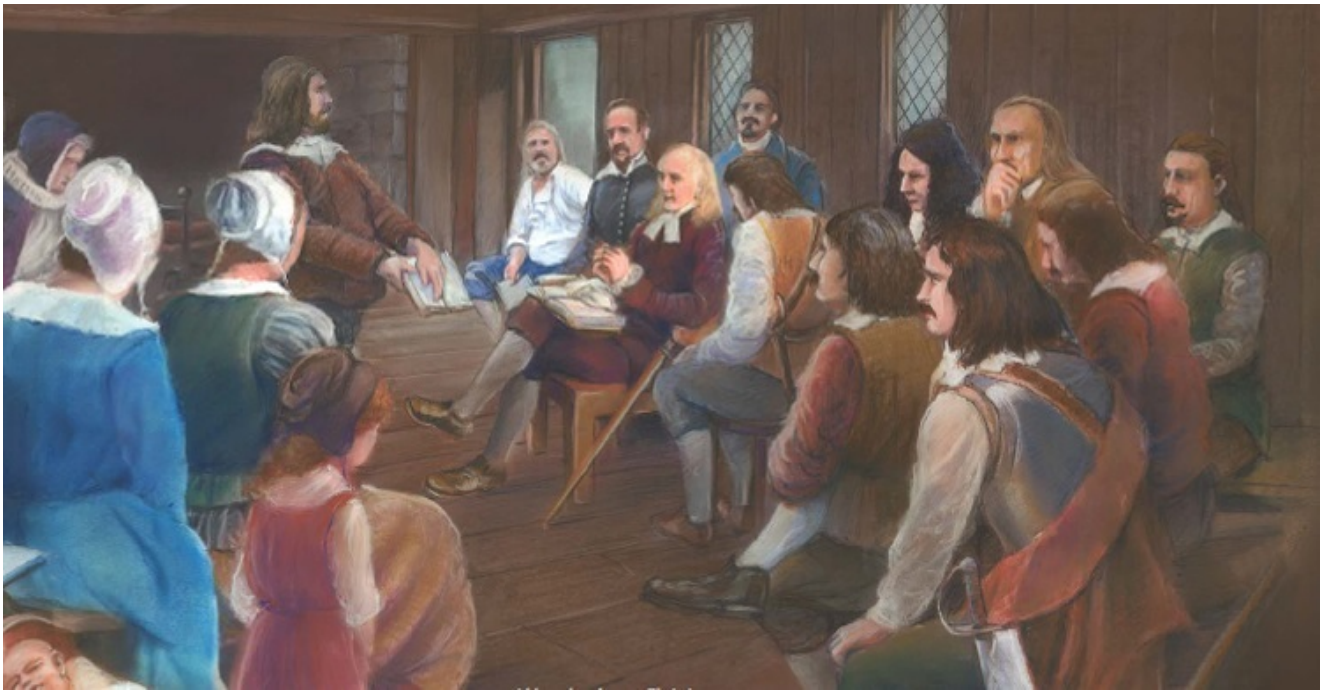
Communion service at "Sacrament Rock" in Barnstable, conducted by Pastor John Lothrop soon after he and those who migrated with him arrived in the town in 1639



Samuel Treat Burial Procession, Eastham, Massachusetts, 1717



The whipping of Obadiah Hulme, 1651



Roger Williams discussing religious subjects at his home in Providence



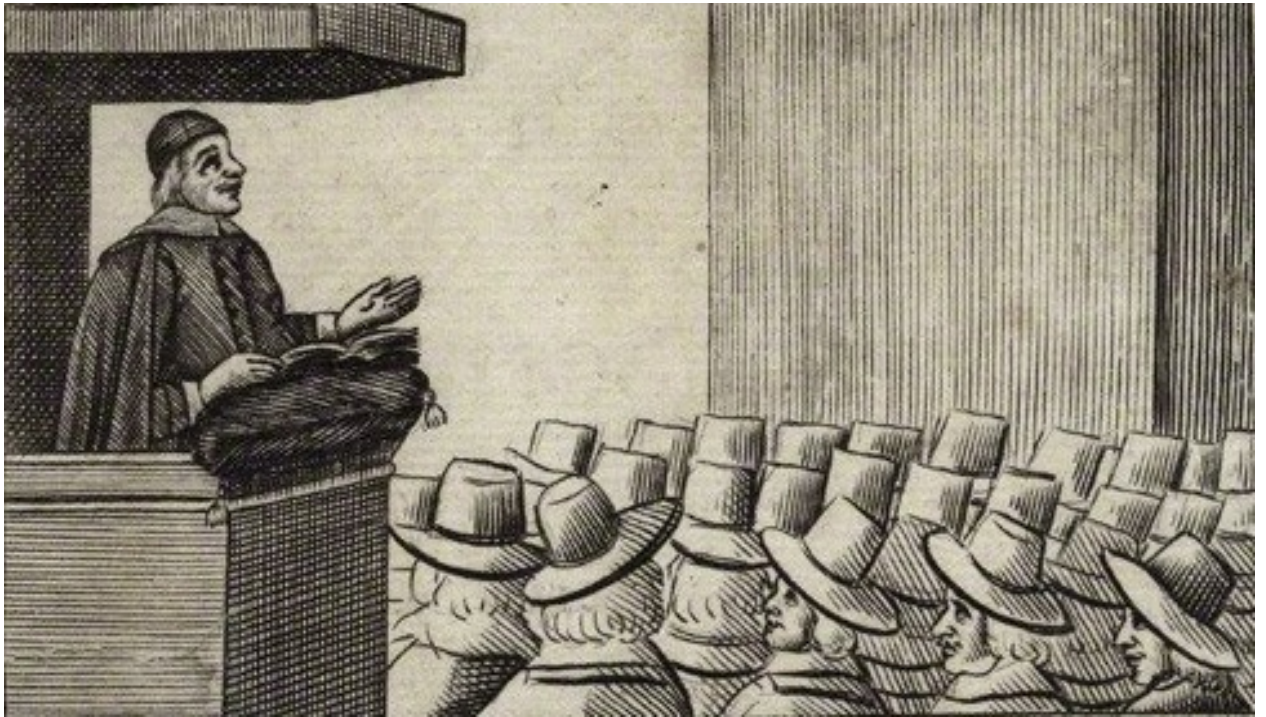
John Robinson praying at the embarkation of the Pilgrims at Delfshaven, 1620



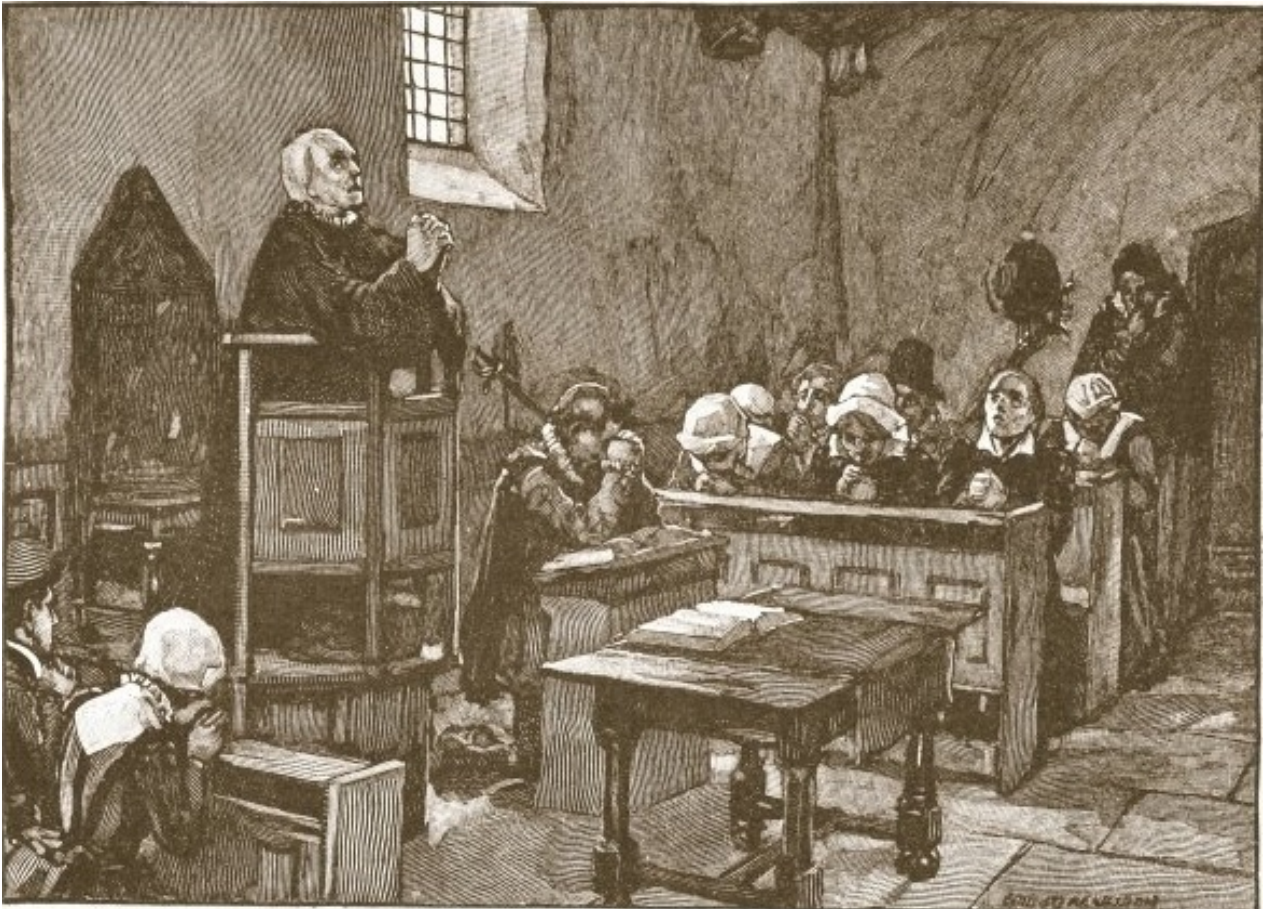
William Brewster preaching in Plymouth



Puritan minister preaching to the Indians in New England



Farewell sermon by a Puritan minister in England at the time of the "Great Ejection" in 1662



Elizabethan Puritan worship in England



Catechizing in the Church of England, 1578



Baptism in the Church of England, 1578



Holy Communion in the Church of England, 1578



Preaching in the Church of England, 17th century



Puritan Communion Service in England, 1660



Holy Communion in the Church of England, late 17th century (after the Restoration)



Quaker meetings



Quaker meetings



A Lutheran Divine Service as it might have been conducted in Prussia in the early 18th century



English Protestants worshipping secretly in the woods during the reign of Queen Mary in the sixteenth century